दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 179 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 28 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

देश को मिली पांच नई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

पीएम मोदी ने रानी कमलापति स्टेशन पर दिखाई हरी झंडी

भोपाल/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मध्यप्रदेश को दो नई वंदेभारत ट्रेनों समेत देश को पांच नई वंदेभारत ट्रेनों की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने राजधानी भोपाल से इंदौर के बीच चलने वाली वंदेभारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने इससे पहले ट्रेन का अवलोकन भी किया। वे कुछ समय के लिए ट्रेन के अंदर भी गए।

उन्होंने रानी कमलापति स्टेशन से ट्रेन में सवार होने वाले स्कूली बच्चों से मुलाकात की और बच्चों द्वारा वंदेभारत ट्रेन के लिए बनाई पेंटिंग्स का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री लगभग 10 मिनट तक बच्चों से बात करते और उन्हें मार्गदर्शन देते हुए भी दिखाई दिए।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल (रानी कमलापति)- इंदौर, भोपाल (रानी कमलापति)- जबलपुर, रांची-पटना, धारवाड़-बेंगलुरु और गोवा(मडगांव)-मुंबई के बीच चलाई जाएंगी। गोवा, बिहार और झारखंड को पहली बार वंदे भारत ट्रेन कनेक्टिविटी प्राप्त होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री वायुसेना के विशेष विमान से आज सुबह लगभग दस बजे राजधानी भोपाल के राजा भोज विमानतल पर पहुंचे। पीएम मोदी को हवाईअड्डे से विशेष हेलीकॉप्टर से बरकतुल्ला विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए हेलीपेड पर पहुंचना था और वहां से उन्हें सड×क मार्ग से नजदीक ही स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन ले जाने का कार्यक्रम था। लेकिन बारिश के कारण हेलीकॉप्टर से जाने की बजाए पीएम मोदी को सड़क मार्ग से रानी कमलापति स्टेशन ले जाया गया।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने सीट पर किया शौच-पेशाब, पुलिस ने एयरपोर्ट पर दबोचा

नई दिल्ली/एजेंसी।

मुंबई-दिल्ली एयर इंडिया की फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर विमान के अंदर शौच और पेशाब कर दिया। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने आईजीआई हवाईअड्डे पर पहुंचते ही उक्त पुरुष यात्री को गिरफ्तार किया है। इस घटना से साथी यात्री और चालक दल के सदस्य स्तब्ध रह गए।

जानकारी के अनुसार 24 जून को मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआईसी 866 में सीट नंबर 17एफ पर बैठे यात्री राम सिंह ने विमान के अंदर पंक्ति 9वीं पंक्ति में बैठे लोगों पर शौच, पेशाब और थूक दिया। इस मामले में पुलिस ने उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के निवासी राम सिंह को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

फ्लाइट कैप्टन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि इस स्थिति के बारे में तुरंत मुझे, पायलट-इन-कमांड कैप्टन वरुण संसारे को स्टाफ ने सूचित किया। कंपनी को एक तत्काल संदेश भेजा गया, जिसमें यात्री के आगमन पर सुरक्षा सहायता का अनुरोध किया गया। इस घटना से विमान में सवार कई अन्य यात्रियों में हडकंप मच गया।

संक्षिप्त समाचार

अतीक-अशरफ हत्या की जांच हो, सुप्रीम कोर्ट पहुंची बहन आयशा

- **असद के एनकाउंटर को भी बताया संदिग्ध**

लखनऊ(उत्तरप्रदेश)। बड़े-बुजर्ग हमेशा से कहते आए हैं, वक्त बड़ा बलवान है,व×क्त जिसके पक्ष में हो,दुनिया उसके आगे नतमस्तक हो जाती है और कर्म के फल भुगतने की बारी आती है और व×क्त बदलता है,तो दुनिया की कोई ताकत फिर उसे बचा भी नहीं सकती ऐसा ही कुछ समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद के साथ भी हुआ एक दौर था,जब अतीक के खौफ का आलम यह था कि हाई कोर्ट के 10-10 जज उसके खिलाफ मामला सुनने से ही अलग हो जाते थे और जो 11 वें जज आते थे,वो भी अतीक को जमानत दे देते थे, यहाँ तक कि 2007 में अतीक ने सोनिया गांधी की रिश्तेदार वीरा गांधी की जमीन भी हड़प ली थी मगर मुलायम सरकार में कोई उसपर हाथ नहीं डाल पायाआ×खरकार केंद्र की मनमोहन सरकार को दखल देना पड़ा,तब जाकर सोनिया की रिश्तेदार को संपत्ति वापस मिली.लेकिन जब अतीक के सर से सियासी संरक्षण हटा और कानून का शिकंजा कसा, तो 3 मामूली बदमाशों ने उसके सिर में गोली मार दी वैसे तो यह अपराधियों द्वारा अपराधी की हत्या थी,

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

63,384.58+466.95 (0.74%)

निफ्टी

18,826.00+137.90 (0.74%)

बाल-बाल बचा सीएम ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर

पायलट ने सूझबूझ के साथ कराई इमरजेंसी लैंडिंग

सिलीगुड़ी/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर को मंगलवार को खराब मौसम के कारण सिलीगुड़ी के पास सेवोक एयरबेस पर आपात स्थिति में उतारा गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बनर्जी जलपाईगुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद बागडोगरा हवाई अड्डे जा रही थीं तभी उनका हेलीकॉप्टर बैकुंठपुर के जंगलों के ऊपर उड़ान भरते समय खराब मौसम वाले क्षेत्र में पहुंच गया. एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'यहां बहुत तेज बारिश हो रही है और पायलट ने आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर उतरने का फैसला किया.'

उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम के बाद फैसला किया गया कि बनर्जी सड़क मार्ग से बागडोगरा हवाई अड्डे तक जाएंगी और वहां से कोलकाता की उड़ान भरेंगी. मुख्यमंत्री बनर्जी पंचायत चुनाव के लिए राज्य के उत्तरी हिस्से में अनेक क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं. राज्य में पंचायत चुनाव के लिए मतदान आठ जुलाई को होगा. बता दें कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव होने वाला है, जिसके लिए ममता बनर्जी रैली कर रही हैं. इस बार के पंचायत चुनाव में कई सारी हिंसा व बवाल की घटनाएं सामने हुई हैं.

आज सुबह ही कूचबिहार जिले में टीएमसी के ही दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई.

इस दौरान गोलीबारी भी हुई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए. वहीं एक व्यक्ति की मौत हो गई. इससे पहले बीते सोमवार को मुर्शिदाबाद में भी टीएमसी और सीपीआई के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई. इस दौरान बमबारी की भी घटना सामने आई. बता दें कि पंचायत चुनाव में बवाल बढ़ता देख विपक्ष ने पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की है.

रांचीः न्यूज चैनल के दफ्तर में हुई थी दो कारोबारी भाइयों की हत्या

चैनल संचालक सहित तीन दोषी करार

रांची/एजेंसी।

रांची में एक न्यूज चैनल के दफ्तर में दो व्यवसायी भाइयों हेमंत अग्रवाल और महेंद्र अग्रवाल की हत्या के मामले में रांची के अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने चैनल संचालक लोकेश चौधरी सहित तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है, जबकि एक आरोपी को बरी कर दिया।

अदालत आगामी 30 जून को इनकी सजा के बिंदुओं पर सुनवाई करेगा। यह वारदात 6 मार्च 2019 को हुई थी। न्यूज़ चैनल रांची के सबसे पॉश इलाके अशोकनगर में फ्रेंचाइजी मॉडल के आधार पर संचालित होता था और इसका संचालक लोकेश चौधरी नामक शख्स था। उसने रांची के लालपुर इलाके में रहने वाले अग्रवाल बंधुओं हेमंत अग्रवाल और महेंद्र अग्रवाल से उधार में बड़ी रकम ली थी।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

विभिन्न समस्याओं को लेकर मिला महासंघ का प्रतिनिधिमंडल कुलपति से

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की अध्यक्ष डॉ अंजनी शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह से मुलाक़ात की और उन्हें पुष्प गुच्छ देकर कुलपति का प्रभार लेने पर बधाई दी . प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति का ध्यान शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं की तरफ़ आकृष्ट किया और उनसे त्वरित कारवाई करने का आग्रह किया . कुलपति प्रो सिंह ने बताया की 2008 में नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन से संबंधित प्रारंभिक जाँच का काम लगभग पूरा हो गया है और शीघ्र ही उसका विधिवत स्क्रीनिंग का काम करवाने का काम पूरा किया जाएगा . कुलपति ने यह भी कहा की झारखंड उच्च एवम् तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के प्रमोशन संबंधी रेगुलेशन में संशोधन संबंधी जो पत्र प्राप्त हुआ है। उस पर सिंडिकेट की बैठक में आवशयक विचार कर अपने सुझाव भेज दिया जाएगा . कुलपति प्रो सिंह ने विश्वविद्यालय में स्वस्थ शैक्षिक माहौल के निर्माण में शिक्षकों के सहयोग का आग्रह किया और कहा की वे शिक्षकों के सहयोग से आईएसएन नंबर के साथ विश्वविद्यालय का अपना जर्नल निकालने की दिशा में पहल करेंगे ।जिससे यहाँ के शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ छात्रों को भी लाभ मिलेगा . प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की अध्यक्षा डॉ अंजनी शर्मा के साथ उपाध्यक्ष डॉ निर्मला त्रिपाठी , संगठन मंत्री डॉ रणजीत कुमार सिंह , डॉ निरंजन मंडल और डॉ अजय सिन्हा शामिल थे .

मॉडल गांव घासीपुर के ग्रामीणों के साथ बैठक का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, दुमका अंतर्गत स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर टूल रूम जरदाहा, दुमका में प्राचार्य के साथ बैठक के उपरांत सदर प्रखंड दुमका के पंचायत घाशीपुर के मॉडल गांव घाशीपुर का क्षेत्र भ्रमण वॉश विशेषज्ञ, यूनिसेफ, कुमार प्रेमचंद के द्वारा किया गया। सर्वप्रथम मॉडल गांव घाशीपुर के ग्रामीणों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या दो दुमका के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, दुमका सभी जिला समन्वयक , प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता, पंचायत के मुखिया जी एवं ग्रामीण उपस्थित हुए एवं ग्रामीणों के बीच मुखिया जी को ग्राम पंचायत घाशीपुर में ठोस तरल एवं कचरा प्रबंधन हेतु स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज 2 के तहत ट्राई साइकिल कुमार प्रेमचंद के द्वारा हस्तांतरित किया गया। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज टू अंतर्गत निर्मित शौचालय भस्मक, नाडेप एवं सोक पिट के साथ-साथ जल जीवन मिशन के तहत कार्यरत घरेलू नल कनेक्शन का निरीक्षण किए एवं जल के समुचित निपटान को लेकर ग्रामीणों के साथ क्षेत्र भ्रमण के क्रम में चर्चा भी की गई कि जल संरक्षण कैसे करना है और सभी लोग जल संरक्षण को लेकर आने वाले दिनों में जैसे अपने अपने घरों में बच्चों का जन्मदिन मनाते हैं। इस अवसर पर बच्चों के नाम पर वृक्षारोपण का कार्य करें जिसे पूरे ग्रामीणों ने इस सलाह को स्वीकार करते हुए आगे आने वाले दिनों में जन्मदिन के अवसर पर पेड़ लगाने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत हाईटेंशन तार के चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की मौत

- **घोंसला उतारने के लिए पेड़ पर चढ़ा था दस वर्षीय सुखलाल,11हजार हाईटेंशन तार के चपेट में आने से हो गई मौत**

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा थाना क्षेत्र के सीता कोबहर गांव में मंगलवार को विद्युत हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीता कोबहर गांव के रहने वाले रूबेन हेंब्रम के 10 वर्षीय पुत्र सुखलाल हेंब्रम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सुखलाल हेंब्रम घोंसला उतारने के लिए पेड़ पर चढ़ा था,तभी 11हजार के हाईटेंशन तार के चपेट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जामा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मामले को लेकर जामा थाना प्रभारी जितेंद्र साहू ने बताया कि घटना के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजा गया। वही परिजनों के बयान पर जामा थाना में यूडी केस दर्ज कराया गया है।

योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी अनंत कुमार झा की अध्यक्षता में प्रखंड में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक आयोजित मनरेगा,प्रधान मंत्री आवास,15वी वित आदि योजनाओं के प्रगति को लेकर समीक्षा की गई। मौके पर बीडीओ ने संबंधित कर्मियों को लंबित कार्यों को पूरा करने का निदेश दिया। बैठक में गोपीकांदर प्रखंड के सातों पंचायत के पंचायत सचिव,कनीय अभियंता सहित सभी रोजगार सेवक सहित ब्लाक और अंचल कर्मी शामिल हुए।

भोगनाडीह के लिए निकाली गई पदयात्रा में शामिल पदयात्रियों का काठीकुंड एवं गोपीकांदर में भव्य स्वागत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आगामी 30 जून को आयोजित 168 वां हूल दिवस को लेकर सिदो कान्हु चौक दुमका से शहीद स्थल भोगनाडीह के लिए निकाली गई पदयात्रा काठीकुंड होते हुए गोपीकांदर पहुंची।गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी दुमका,जोहर मानव संसाधन विकास केंद्र दुमका , अनुसूचित जाति जनजाति सुरक्षा समिति,दुमका,प्रेम संस्था काठीकुंड, होली फेथ चंदरपुरा एवं न्यू केयर्स दुमका के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय पदयात्रा आज काठीकुंड और गोपीकांदर पहुंची।शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन एवं जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा के अगुवाई में सभी पदयात्रियों ने काठीकुंड स्थित अमर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। ततपश्चात पदयात्रियों का स्वागत गाड़ियापानी के ग्रामीणों एवं गोपीकांदर थाना प्रभारी दिलीप पाल के नेतृत्व में शीतल पेय देकर करते हुए पदयात्रियों का उत्साह बढ़ाया गया, साथ ही मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामना दी गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देशय सारे प्रदेश में 1855 की ऐतिहासिक संथाल हूल के महानायक सिदो मुर्मू कान्हू मुर्मू,चांद मुर्मू,भैरो मुर्मू फूलो मुर्मू,झानो मुर्मू एवं हजारों अमर शाहिदो को श्रद्धांजली देना है । इस वर्ष पदयात्रा के दौरान सभी पड़ावों में ₹समाज के विकास में शिक्षा का महत्व₹ परिचर्चा का विषय रखा गया है।

हूल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में किया जायेगा कवि सम्मेलन का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। इस बार के हुल दिवस का सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए कुलपति प्रो. डॉ विमल प्रसाद सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी की है. भोगनाडीह जाने वाले पदयात्रियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम का आगाज हो चुका है इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 29 जून को प्रशासनिक भवन-2 के कांफ्रेंस हॉल में 2 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. इस सम्मेलन में डॉ. राम वरण चौधरी, शंभुनाथ मिस्त्री, राजीव नयन तिवारी, अशोक सिंह, अमरेन्द्र सुमन, दुर्गेश चौधरी, रोहित अम्बष्ठा, अंजनी शरण, , अरुण सिन्हा, शिवलाल मरांडी, फ्रांसिस्क विनीता मरांडी, निर्मल मुर्मू, महेंद्र बेसरा, सुनीता मरांडी, विजय हंसदा एवं भैया हंसदा आदि कवि भाग लेंगे. कवि सम्मेलन का सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने एक आयोजक समिति का गठन कर दिया हैं. इस समिति के समन्वयक स्वयं कुलसचिव डॉ, संजय कुमार सिन्हा हैं जबकि इसमें बतौर सदस्य डॉ. अजय सिन्हा, डॉ, राजेश प्रसाद, श्री इगनोसिस मरांडी एवं राजकुमार झा शामिल हैं. कवि सम्मेलन के अतिरिक्त कई और कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे जिसमें 29 जून को होने वाला विभिन्न प्रतियोगिता में एकल गीत, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, सामूहिक नृत्य, भाषण प्रतियोगिता, क्विज, रंगोली एवं पेंटिंग शामिल हैं. उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए प्रतिभागियों का सूची विभिन्न अंगभूत और सम्बद्ध महाविद्यालयों से विश्वविद्यालय को 28 जून तक भेजा जाना हैं. 29 और 30 जून को होने वाली सभी कार्यक्रमों की तैयारी लगभग अंतिम चरण में हैं.

थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बकरीद त्यौहार कों सौहार्द्रपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए मंगलवार को काठीकुंड थाना परिसर में अंचलाधिकारी अमर जॉन आइंद की अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रशासन एवं सभी समुदाय के बुद्धिजीवी शामिल हुए।सीओ ने लोगों से शोहार्दपूर्ण तरीके से बकरीद मनाने की अपील की।मौके पर उपस्थित थाना प्रभारी रूपेश कुमार ने कहा कि त्यौहार के दौरान सभी जगहों पर पुलिस की गश्त रहेगी,शांति भंग करने वालों व हुड़दंग मचाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी' उन्होंने कहा कि किसी भी आपत्तिजनक कार्यों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर रहेगी,अफवाहों से दूरी बनाए रखने की सलाह देते हुए,अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही।बैठक में प्रखंड भाजपा अध्यक्ष लालचंद पाल,झामुमो उपाध्यक्ष सनाउल अंसारी,कोषाध्यक्ष गौरीशंकर भगत, शिव भगत,कालझार पंचायत की मुखिया एस्थर मरांडी, आसनपहाड़ी पंचायत के मुखिया रोशन मुर्मू, तेलियाचक पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिमल सोरेन, उप मुखिया दीपक मंडल, समसुद्दीन अंसारी, इम्तियाज अंसारी सहित दर्जनों गणमान्य एवं प्रशासन कर्मी उपस्थित थे।

कुलपति ने पीजी विभागों का किया औचक निरीक्षण

दुमका। झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह में आज लगभग 1 बजे दिघी कैंपस में स्थित विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान सभी विभागों के लगभग सभी शिक्षक अपने विभाग में उपस्थित थे. निरीक्षण के समय स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में पी-एच.डी. की मौखिक परीक्षा चल रहा था वहीं कुछ विभाग में पी जी सेम-1 का प्रेक्टिकल की परीक्षा चल रहा था. कुलपति ने बारी-बारी से सभी विभागों का निरीक्षण किया और विभाग में बेहतर शैक्षणिक परिवेश का विकाश के लिए विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया।

पुलिस ने फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। काठीकुंड पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम दलदली और ऐरो से कुल तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। मामले में थाना प्रभारी रूपेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के दलदली गांव से कांड संख्या 23/14 के तहत संजय केवंट और रणजय केवट पिता स्वर्गीय रामप्रसाद केवंट एवं एरो गांव से कांड संख्या 49/14 के तहत राम सोरेन पिता स्वर्गीय बाबूलाल सोरेन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।उक्त आरोपी वारंटी थे,जो फरार चल रहे थे।तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

त्रैमासिक विशेष मध्यस्थता अभियान के सफल आयोजन को लेकर जिला जज ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों एवं मध्यस्थों के साथ की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झालसा, रांची के निर्देशानुसार 1 जुलाई से लेकर 30 सितंबर तक विशेष मध्यस्थता अभियान का आयोजन किया जाना है। आयोजन के सफल आयोजन हेतु आज मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका अनिल कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारियों एवं मध्यस्थों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्राधिकार के अध्यक्ष ने कहा कि इस त्रैमासिक विशेष मध्यस्थता अभियान में भरण पोषण सहित अंतरिम भरण पोषण मामलों, धारा 160 एम वी एक्ट के तहत अंतरिम राहत मामलों सहित सड़क दुर्घटना दावा अधिनियम, चेक बाउंस, आपराधिक लघु अधिनियम के तहत उपयुक्त मामले, 498 ए आईपीसी के मामले, बिजली अधिनियम, उत्पाद शुल्क अधिनियम, फैक्ट्री अधिनियम, वजन और माप तौल अधिनियम, खान और खनिज अधिनियम, वन अधिनियम, रेलवे अधिनियम के मामलों तथा अन्य उपयुक्त मामलों का निपटारा किया जाएगा। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने विभिन्न प्रखंडों में पदस्थापित पैरा लीगल वालंटियर के द्वारा पंपलेट वितरण करने का भी निर्देश दिया एवं जिला प्रशासन को भी शामिल कर विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगाकर इसके व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड सांसद प्रतिनिधि कोर्नेलियुस मुर्मू के निधन पर सांसद ने जताया शोक

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो।

अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के झामुमों प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड सांसद प्रतिनिधि कोर्नेलियुस मुर्मू के निधन पर राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा व पार्टी के जिला अध्यक्ष शचाम यादव ने पहुँचकर पुष्प अर्पित कर व पार्टी झंडा ओढ़ाकर श्रधांजलि देते हुए गहरा शोक जताया।

सांसद विजय हांसदा ने कहा कि स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू झामुमो के काफी वरिष्ठ व जुझारू कार्यकर्ता थे उनके निधन से पार्टी के साथ साथ मुझे भी गहरी क्षति पहुँची है। पार्टी के जिलाध्यक्ष शचाम यादव ने शोक जताते हुए कहा कि कोर्नेलियुस मुर्मू पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे पार्टी को मजबूती प्रदान करने में उनके योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। साथ ही जिलाध्यक्ष शचाम यादव ने उनके परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि पार्टी हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी। मौके पर जिला सचिव सुलेमान बास्की, प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला समिति सदस्य कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला समिति सदस्य संतोष भगत, विधायक प्रतिनिधि सह प्र-खंड बीस सूत्री अध्यक्ष भीमसेन्ट हेम्ब्रम, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हांसदा, युवा मोर्चा जिला सचिव उमर फारूक, जिला समिति सदस्य संजीत भगत, मीडिया प्रभारी आफताब आलम, प्रखंड सह सचिव नाजिर किस्कू, प्रखंड कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन अंसारी, गोपीकांदर प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड सांसद प्रतिनिधि संतोष मरांडी, गोपीकांदर प्रखंड विधायक प्रतिनिधि लखीचंद मंडल, लिट्टीपाड़ा प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, अबुल कलाम, इमरान अंसारी, इस्लाम अंसारी, गाब्रिएल किस्कू, शचामलाल हांसदा, आरिफ अंसारी, मुस्लिम अंसारी, दिलीप रजवार, विनोद भगत, थॉमस मुर्मू, अशोक मुर्मू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य ने महेशपुर स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

पाकुड़/झारखंड देखो। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने मंगलवार को महेशपुर प्रखंड के सोनारपाड़ा गांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के महिला वार्ड का किया निरीक्षण। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय में जेएसएलपीएस के दीदियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है या नहीं इसकी जानकारी ली। साथ ही वैसे महिलाएं जिनका जॉब कार्ड है उनको 100 दिन काम मिला या नहीं, साथ ही वैसे महिला लेबर कार्डधारी जिनकी उम्र 60 वर्ष हो गई है उन्हें तीन हजार रुपये मासिक पेंशन मिलती है या नहीं इसकी जानकारी लिया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में भी जानकारी ली। इसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर पहुंचकर महिला वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में गंदगी को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुए वार्ड को अभिलंब साफ सफाई करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार किस्कु से वर्ष 2022- 23 का महिला को दिए जाने वाले सरकारी लाभ का ले-खा-जोखा शाम तक भेजने का सख्त निर्देश दिया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी बीडीओ उमेश मंडल, बीपीआरओ प्रसनजीत मंडल, महिला पर्यवेक्षिका मार्गरेट कंचन अंजलि मालवा, जेएसएलपीएस के बीपीएल आशीष रंजन सहित अन्य अधिकारी कर्मी व महिलाएं उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा को ले बच्चों को किया गया जागरूक

पाकुड़/झारखंड देखो। जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार गर्ग के निर्देशानुसार मंगलवार को राज प्लस टू एवं जिदातो गर्ल्स हाई स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। उक्त जागरूकता अभियान के तहत बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति महत्वपूर्ण जानकारी एवं ट्रैफिक यातायात नियमों के बारे में बताया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को ट्रैफिक नियम की जानकारी दी गई वही उन्हें यातायात के समय बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया। साथ ही साथ बताया गया कि नाबालिग स्कूली बच्चे बाइक चलाते हुए पकड़े जाते हैं, तो उनके माता-पिता को छह माह की जेल या 25 हजार रुपये की जुर्माना हो सकती है। सभी छात्र-छात्राओं से अपने सगे संबंधियों व मित्रों को भी यातायात संबंधित नियम अनुपालन करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं को सीट बेल्ट हेलमेट आदि की उपयोगिता बताई गई। साथ ही उन्हें आंकड़ों के माध्यम से समझाया गया किस प्रकार यातायात नियम एवं सेफ्टी उपकरण न लगाने पर दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने सभी बच्चे को अच्छे मददगार बनने का प्रेरित किया। सभी बच्चों को बताया गया कि पाकुड़ मे माह जनवरी 2023 से जून -2023 तक कुल-41 सड़क दुर्घटना हुई है जिसमे कुल 34 लोगो की जान गई है और कुल 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जो की पिछले साल 2022 की तुलना मे रोड एक्सीडेंट मे बढ़ोतरी हुई है। इस दुर्घटना मे मरने वाले लोगो की उम्र की बात करें तो 21-35 उम्र के सबसे ज्यादा वाहन चालक है। इसका बचाओ का एक ही उपाय है सभी यातायात का नियमों का पालन करें और सजग रहें। इस दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक एवं कर्मी समय समेत अन्य उपस्थित थे।

फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। सरकार के उप सचिव स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग झारखंड के आदेश के आलोक में टाउन हॉल पाकुड़ में खाद्य कारोबारियों को फॉस्टैक (फूड सेफ्टी ट्रेंनिंग एंड सर्टिफिकेशन) कार्यक्रम के तहत एफएसएसएआई सूचीबद्ध संस्थान अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी पाकुड़ धनेश्वर हेंब्रम मौजूद थे। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा फूड एक्ट 2006 के बारे में जानकारी दी गई एवं खाद्य कारोबारी जिन्होंने अभी तक फूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया उन्हें यथाशीघ्र लाइसेंस ऐवं पंजीकरण लेने को कहा गया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत वर्णित खाद्य कारोबारियों के रिस्पांसिबिलिटी एवं लायबिलिटी के बारे में बताएं। साथ ही उन्होंने बताया कि जिस पैकेट में एस एस एस आई नंबर, मैन्युफैक्चरिंग डेट, तथा एक्सपायरी डेट अंकित नहीं हो उस तरह के खाद्य पदार्थ को न बेचे एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गयो उन्होंने बताया कि यदि खाद कारोबारी खाद सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करता है तो इस अधिनियम के तहत उस पर विधिवत कार्रवाई की जा सकती है जिसमें भारी जुर्माना लगाया जा सकता है या सजा भी हो सकता है। अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति के प्रशिक्षक डॉ राकेश कुमार सिंह के द्वारा एफएसएस एक्ट के शेड्यूल क्स, फ्चउड, फोर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अखाद्य रंग एवं अखबार के इस्तेमाल से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में 100 खाद्य कारोबारियों ने भाग लिया। मौके पर स्टेट कोऑर्डिनेटर अरोमा शिक्षा संजय कुमार एवं खाद्य सुरक्षा कार्यालय से दुलाल राजवंशी एवं चंदन कुमार मौजूद थे।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को ले विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बीडीओ ने की बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में मंगलवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी, अमड़ापाड़ा कुमार देवेश द्विवेदी ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (ररफ 2024) कार्यक्रम को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।बैठक में एक जून 2023 से पूर्व पूनरीक्षण एवं 17 अक्टूबर 2023 से मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रारम्भ होने संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि आयोग से प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार प्रि-रीविजन संबंधित गतिविधियों के सम्पादन के लिए एक जून 2023 से 16 अक्टूबर 2023 तक अवधि निर्धारित है। इसके तहत आवशयकतानुसार मतदान केन्द्रों का विखण्डीकरण, अनुभाग का शुद्धिकरण तथा मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन के पूर्व प्राप्त ऑनलाईन प्रपत्र-6, 6 क, 6 ख 7 एवं 8 प्रपत्रों का निष्पादन किया जाना आपेक्षित है। बैठक में छुटे योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने हेतु किये जाने वाले कार्यो की चर्चा उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से करते हुए उक्त कार्य हेतु आवशयक सहयोग करने की बात कही। साथ ही सभी राजनीतिक दलों से एक-एक बुथ लेवल एजेन्ट नियुक्त करते हुए इसकी सूची उपलब्ध कराने की बात भी कही।

मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण को ले डीसी ने की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

गोड्डा।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिशान कमर की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर-2024) को लेकर सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुसार, 1 जनवरी 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए वार्षिक विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जाना है। उन्होंने बताया कि आयोग से प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार प्री-रिविजन से संबंधित गतिविधियों यथा ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ व अन्य का प्रशिक्षण के अलावा बीएलओ द्वारा घर-घर पर सत्यापन का कार्य, मतदाता सूची में व्याप्त त्रुटियों का निराकरण, मतदान केन्द्रों के रैशनलाइजेशन से संबंधित कार्य, ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटो, बिना फोटो व खराब गुणवत्ता वाली फोटो का अच्छी गुणवत्ता वाली फोटो से प्रतिस्थापन, मतदाता सूची में व्याप्त कमियों की पहचान, कन्ट्रोल टेबल का अपडेशन व प्रारूप मतदाता सूची की तैयारी से संबंधित कार्यों के लिए 16 अक्टूबर तक अवधि निर्धारित की गयी है।

रिवीजन से संबंधित गतिविधियों, यथा मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन, दावा आपत्ति प्राप्त करना व उनका निस्तारण, स्पेशल कैम्प का आयोजन, मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन के लिए 17 अक्टूबर से 5 जनवरी 2024 तक की अवधि निर्धारित की गयी है, जिसके तहत 17 अक्टूबर 2023 को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन एवं 5 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन निर्धारित है। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा आम चुनाव के दृष्टिगत विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 महत्वपूर्ण है। ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि आम चुनाव में राज्य का कोई भी नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिये वर्तमान पुनरीक्षण कार्यक्रम में एक जनवरी 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए सभी पात्र नागरिकों व अन्य छूटे हुए योग्य नागरिकों का निबंधन कराया जाना मूल प्राथमिकता है। ऐसे में सभी युवा मतदाताओं से अपील है कि अगर उनका नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ा है तो अपने नजदीकी बीएलओ से संपर्क करते हुए फार्म-6 भर कर दें और मतदाता सूची में नाम जुड़वा लें। साथ ही सभी बीएलओ को प्रत्येक घर में मतदाता होने का गर्व है का स्टीकर को लगाना है। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी महागामा सौरभ कुमार भुवानियां, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद एजाज़ आलम सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

लिट्टीपाड़ा स्वीट ऑन फाउंडेशन के सहयोग से मोटे अनाज बीज का वितरण

पाकुड़/झारखंड देखो।

बाजरा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के प्रयास में स्विचऑन फाउंडेशन ने झारखंड के पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा ब्लॉक में किसानों के बीच उच्च गुणवत्ता वाले बाजरा बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल न केवल कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी बल्कि समुदाय के समग्र पोषण संबंधी कल्याण में भी योगदान देगी। बीज वितरण के अलावा, स्विचऑन फाउंडेशन और जन लोक कल्याण परिषद ने बाजरा के पोषण संबंधी लाभों के बारे में भी जागरूकता पैदा की। स्विचऑन का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बाजरा के बीज तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है, जिससे वे इस लाभकारी फसल को उगाने में सक्षम हो सकें। बाजरा की खेती को शामिल करने के लिए अपनी कृषि पद्धतियों में विविधता लाकर, किसान बाजरा द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई लाभों का आनंद ले सकते हैं, जैसे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, पानी की आवश्यकताएं कम, और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ा। स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक विनय जाजू ने कहा, ''बाजरा एक अत्यधिक पौष्टिक और जलवायु-लचीली फसल है और इसमें कृषि परिदृश्य को बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपार संभावनाएं हैं। अपने किसानों को बाजरा की खेती करने में मदद करके, हमारा लक्ष्य न केवल उनकी भलाई है, बल्कि समग्र रूप से हमारे पर्यावरण की भलाई भी है। झारखंड में बाजरा की खेती पर स्विचऑन फाउंडेशन द्वारा एक आधारभूत अध्ययन शुरू किया गया था। यह अध्ययन तीन जिलों में 488 किसानों के सर्वेक्षण के माध्यम से किया गया था। दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज. अध्ययन से पता चला कि 66% किसान कम से कम एक प्रमुख बाजरा उगाते हैं और 34% किसान कोई भी प्रमुख बाजरा नहीं उगाते हैं। यह पाया गया कि 88% किसानों ने बाजरा की कम पानी की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। अरुण कुमार, कृषि अधिकारी, दुमका ने कहा, ₹हमें इस पहल में स्विचऑन के साथ सहयोग करने और अपने किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बाजरा बीज उपलब्ध कराने के उनके प्रयासों का समर्थन करने में खुशी हो रही है। हमारी कृषि पद्धतियों में बाजरा की खेती की शुरूआत से अपार संभावनाएं आती हैं।₹ कृषि लचीलापन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।₹

आगामी 28 एवं 29 जून को जल शक्ति मंत्री का आगमन

पाकुड़/झारखंड देखो। आगामी 28 एवं 29 जून 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का राजमहल लोकसभा क्षेत्र में आगमन होने जा रहा है। महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के महेशपुर एवं केराछत्तर में कार्यक्रम में भाग लेंगे, तत्पश्चात लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बासमती एवं हिरणपुर में जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। वही बरहेट होते हुए साहिबगंज पहुंचेंगे। वही दूसरे दिन 29 जून को राजमहल लोकसभा क्षेत्र के बोरियो विधान सभा क्षेत्र में आयोजित कई कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसकी जानकारी राजमहल लोकसभा क्षेत्र के संयोजक सजीव कुमार उर्फ बबलू भगत ने दिया।

पिकअप वाहन असंतुलित होकर तालाब में गिरा, चालक की मौत

महागामा। सोमवार को महागामा थाना क्षेत्र के ग्राम लौगांय स्थित स्कूल के सामने वाले पोखर में असंतुलित होकर पिकअप वैन के गिर जाने से चालक की मौत हो गई। घटना की सूचना थाना प्रभारी अरुण कुमार दी गई। सूचना मिलते पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई। वहीं स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा पिकअप के चालक को बड़ी कठिनाई ने बाहर निकाला गया।साथ हीं आनन फानन में रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां मौजूद डॉक्टर सीमा होरो के द्वारा चालक की जांच पड़ताल कर उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक चालक करीब 23 वर्षीय मोहम्मद इरशाद बलबड्डा थाना क्षेत्र के गझंडा पंचायत अंतर्गत तेतरिया गांव का निवासी था। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन भागे भागे रेफरल अस्पताल पहुंचे। परिजन मोहम्मद इरशाद के शव को देखकर फफक फफक कर रो पड़े। घटना के संबंध स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मोहम्मद इरशाद अपनी पिकअप वैन लेकर गांव में ही सामान लोड करने आया था। स्कूल के ठीक सामने गांव के अंदर एक पीसीसी सड़क जाती है, जो कि पोखर से सटा हुआ है। बताया जाता है कि चालक इस सड़क से जा रहा था।उसी क्रम अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। जिसके कारण गाड़ी पोखर में चालक समेत गिर गई। बताया जाता है कि पोखर में भी थोड़ी गहराई है।पोखर में गिरे गाड़ी से चालक के द्वारा बाहर निकलने का पूरा प्रयास किया गया। परंतु वह निकल न सका। ग्रामीणों के द्वारा उसे बाहर निकाला गया। परंतु तब तक काफी देर हो चुकी थी।मृतक के परिजनों ने बताया कि इरशाद की अभी तक शादी नही हुई थी। मृतक के माता - पिता अपने बेटे के शव को देखकर बिलख बिलख के रो रहे थे।मृतक की मां रोते रोते बार बार बेहोश हो रही थी। वहीं पुलिस के द्वारा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया गया।

मधुपुर थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

मधुपुर। थाना परिसर में गुरुवार को ईद उल अजहा यानी बकरीद का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक सोमवार को सीओ परमेश्वर कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रशासन द्वारा लोगों से बकरीद का त्यौहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई बैठक में त्यौहार पर शांति बनाए रखने हेतु विभिन्न प्रकार के दिशा निर्देश के बारे में जानकारी दी गई बकरीद त्यौहार पर किसी तरह की अफवाह और सोशल मीडिया पर गलत मैसेज वीडियो शेयर ना करें शेयर करने वाले पर कानुनी कारवाई की जाएगी। मौके पर बीडीओ राजीव कुमार सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी विनय कुमार पांडे, सहायक अभियंता कृपा शंकर विद्युत कन्या अभियंता राहुल विश्वकर्मा पुलिस निरीक्षक रामदयाल मुंडा रेल थाना प्रभारी ब्रिजनंदन ठाकुर,कनिया अभियंता दिलीप यादव, पुर्व नप अध्यक्ष फैयाज कैसर, डा०संजीत, मोती सिंह, एनुल होदा, बंसी सिंह, मो०शाहिद उर्फ फैकु, मोहम्मद मूस्ताक अहमद, हाजी अलताफ,रकिब अंसारी,नितिय सौरेन, खुरशीदा बोनो, फुरकान अंसारी, मनोहर दास, एसआई मनोज कुमार, शौकत खान एएसआई सामंत कुमार, एएस आई रोबीन बैशरा, एएसआई रामानुज कुमार समेत पत्रकार जनप्रतिनिधि बुद्धिजीवी, समाजसेवी मुखिया प्रतिनिधि व शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे!

मेला की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्था का लिया जायजा

देवघर।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुँचकर सुरक्षा व्यवस्था व विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने मंदिर प्रांगण का निरीक्षण कर आगामी राजकीय श्रावणी मेला को लेकर की जाने वाली व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर किए जाने वाले कार्यों, शीघ्र दर्शनम की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवशयक व उचित दिशा निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने शीघ्र दर्शनम को लेकर नाथबाड़ी व उमा भवन की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के

अलावा बाबा मंदिर प्रांगण, संस्कार मंडप एवं सभी बाइस मंदिर में किए जाने वाले वाले कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालु सुलभ व सुरक्षित जलार्पण कर सके।श्री भजंत्री ने मंदिर निरीक्षण के क्रम में विधि व्यवस्था,श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को पंडा व पुरोहित समाज से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं को मिलने वाली व्यवस्थाओं व सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने की बात कही। साथ ही बाबा मंदिर के भीआईपी गेट पर किसी भी सूरत में वाहनों का पार्किंग न हो, इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने श्रावणी मेला को लेकर की जाने वाली तैयारियों, व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को तय समयानुसार सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।निरीक्षक के क्रम में उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मुख्य रूप से भक्तों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए छोटे से छोटे कार्यों को ध्यान देने, सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाये रखने, मंदिर में पॉलिथीन व थर्मोकॉल की जगह दोना पत्तल, मिट्टी, बॉस के डलिया का उपयोग करने के अलावा अतिक्रमण मुक्त बनाये रखने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं। साथ ही उपायुक्त ने श्रावणी मेला को लेकर बाबा मंदिर प्रांगण व आसपास के क्षेत्रों में विशेष रूप से साफ-सफाई व कचड़ा उठाव को लेकर सफाई टीम बनाने का निर्देश दिया, ताकि स्थल चिन्हित करते हुए सफाई टीम को प्रतिनियुक्त किया जा सके।इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी प्राण महतो, अंचलाधिकारी देवीपुर सुनील कुमार पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री,मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त,बाबा मंदिर थाना प्रभारी,सदस्य मंदिर समन्वय समिति के सदस्य,प्रबंधक प्रकाश मिश्रा एवं संबंधित अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व मंदिर कर्मी आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सरैयाहाट में बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को ग्राम ज्योति स्वयं सेवी संस्था व जिला बाल संरक्षण इकाई दुमका के संयुक्त तत्वाधान एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन-यू एस के सहयोग से सरैयाहाट प्रखंड के दिग्घी पंचायत भवन में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में दिग्घी पंचायत के 11 गावों के पंचायत प्रतिनिधिओं ने भाग लिया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया, ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन-यू एस, दुमका के कार्यक्रम समन्वयक नरेंद्र शर्मा ने बाल विवाह, बाल यौन शोषण,बाल तस्करी,बाल श्रम जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। मौके पर नरेंद्र शर्मा ने बताया कि बाल विवाह समाज के लिए एक अभिशाप से कम नहीं है,इससे बच्चें /बच्चियों का मानसिक और शारीरिक विकास अवरुद्ध होता है तथा उनके अधिकारों का हनन होता है। बाल विवाह करना और करवाना एक कानूनी अपराध है। बाल विवाह करने वाले,करवाने एवं शामिल होने वाले पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत दो वर्ष की कारावास या एक लाख (100,000/-) रुपए का जुर्माना या दोनों से दंडनीय होंगे। तथा इसी अपराध के लिए किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75 - नियम के प्रयोजन के लिए,बच्चे को विवाह में देना बच्चे के प्रति क्रूरता माना जाएगा और अधिनियम के तहत तीन वर्ष की कारावास या एक लाख रुपए (100,000/-) का जुर्माना या दोनों से दंडनीय होगा।

इसके उपरांत मुख्य अथिति दिग्घी पंचायत की मुखिया सुनीता हेम्ब्रम ने बताया की सरैयाहाट प्रखंड में बाल विवाह के काफी मामले आते हैं, जिसे सामुहिक प्रयास से पूर्णरूपेण समाप्त किया जा सकता है, और इसकी शुरुआत हम अपने पंचायत करेंगे। इसी कड़ी में मुख्य अतिथि पंचायत सचिव, अरुण कुमार यादव ने ग्राम ज्योति एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन-वर कार्य की सराहना करते हुए कहा की आपके जागरूकता कार्यक्रमों में हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा। इसके साथ ही ग्राम प्रधान जी कहा की अगर हमारे पंचायत अंतर्गत बच्चों के सुरक्षा से सम्बंधित कोई भी मामला आता है, तो इसकी यथाशीघ्र जानकारी सम्बंधित अधिकारिओं या निः शुल्क सेवा नं० 100 / 1098 को देक र बच्चों को सुरक्षित एवं संरक्षित किया जायेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधि गण, जेएसएलपीएस की आईपीआरपी ,ए डब्ल्य आँगनवाड़ी की सेविका/सहिया,एस एच जी की महिलाएं, ग्रामीणों ने बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने हेतु शपथ ली। इस बैठक में क्षेत्रीय उत्प्रेरक प्रमोद कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

कालेज के सेवानिवृत कर्मचारी की धर्मपत्नी के निधन पर शोक सभा आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कांलेज रानीश्वर के सेवानिवृत कर्मचारी प्रभात घोष की धर्मपत्नी का मंगलवार की सुबह निधन हो गया।उनके निधन से महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घोष की धर्मपत्नी के निधन पर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान ×की अध्यक्षता में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक सभा आयोजित ×की गयी।मौके पर महाविद्यालय में सभी शिक्षक शिक्षककेतर कर्मचारी शामिल रहें।डॉ अब्दुल रईस खान ने कहा कि इस दुख ×की घड़ी में महाविद्यालय परिवार प्रभात घोष के साथ है,इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हुए।

पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार ने जेशीबी मशीन से कराया संभावित रास्तों को अवरुद्ध

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस अधीक्षक अंबर लक ड़ा के निर्देशानुसार पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय विजय कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को रानीश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत बालू खनन कर परिवहन करने वाले संभावित रास्ते को जेशीबी मशीन से काटकर अवरुद्ध कर दिया गया।मामले में पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार ने बताया कि रानीश्वर थाना अंतर्गत शादीपुर बालू घाट एवं खेदरा बालू घाट से नदी के किनारे से मसानजोर थाना क्षेत्र में निकलने वाले रास्ते को काटकर अवरुद्ध कर दिया गया। खेदरा पाथर बगान में बालू घाट के अस्थाई मार्ग को काटकर मार्ग ब्लॉक कर दिया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक ने रानीश्वर थाना प्रभारी को बालू का खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों की सूची तैयार कर जिला बदर की कार्रवाई करने एवं टोंगरा थाना,मसालिया थाना एवं मसानजोर थाना प्रभारियों को नदी के तरफ जाने वाले रास्ते में परिवहन ना हो इसके लिए रास्ते को अवरुद्ध एवं सतत निगरानी करने का निर्देश दिया है।

प्रशासनिक भवन-बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य द्वार के समीप धरने के सम्बन्ध में

बोकारो। प्रशासनिक भवन-बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य द्वार के समीप धरने के सन्दर्भ में यह बताना उचित है कि जिला खनन पदाधिकारी (खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड सरकार) के आदेश से भवनाथपुर अयस्क खदान दिनांक 16.02.2020 से बंद है. इसके बाद खदान में कार्यरत मज़दूरों को उचित मुआवज़े के भुगतान के लिए दिनांक 28.01.2022 को क्षेत्रीय श्रमायुक्त (पटना) के समक्ष मज़दूर संगठन के साथ त्रिपक्षीय समझौता हुआ. उक्त समझौते के शर्तों के अनुरूप निर्धारित मुआवज़े का भुगतान बोकारो इस्पात संयंत्र के द्वारा किया जा चुका है.इसके बाद मज़दूरों के मुवावजे से संबंधित एक नया औद्योगिक विवाद उठाया गया. इस औद्योगिक विवाद के सुलह के लिए भी अभी तक तीन बार क्षेत्रीय श्रमायुक्त (पटना) के समक्ष वार्ता हो चुकी है। इनके मांगों के विषय पर दिनांक 30.06.2023 को सहायक श्रमायुक्त (पटना) के यहां पुनः वार्ता निर्धारित की गयी है. दिनांक 24.06.2023 को इन लोगो के नेता और अन्य लोगों के साथ बोकारो इस्पात प्रबंधन की भी वार्ता हुई जिसमे इन सभी बिंदुओं की जानकारी दी गयी.

अनियंत्रित ट्रैलर पेड़ से टकराने से खलासी घायल, चालक फरार

धनबाद। गौशाला ओपी क्षेत्र अंतर्गत झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग के डीवीसी एफसीआई गोदाम समीप मंगलवार की अहले सुबह रॉड लदा ट्रेलर (एनएल 01 एजी 2214) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ में जोरदार टकरा गया। जिससे वाहन में लदे रॉड (सरिया) केबिन में घुस गया। ट्रेलर को चला रहे खलासी व बांका बिहार निवासी छोटू यादव (19) दब गया। चालक दिलीप कुमार खलासी को बचाने के बजाए मौका देखकर भाग गया। घटना की सूचना पर पाथरडीह थाना व गौशाला पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। जहां करीब साढ़े तीन घंटे के बाद छोटू यादव को वाहन से सकुशल बाहर निकाला गया। बेहतर इलाज के लिए उसे चासनाला सीएचसी में भर्ती कराया गया।

हूल दिवस पर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के निदेशानुसार संताल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद के निर्देश पर कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ के नेतृत्व में हूल दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता में फरहनाज बानो, एकल गीत में अंजलि प्रिया, एकल नृत्य में दामिनी बास्की, सामुहिक गीत में झूमा एंड ग्रुप, सामुहिक नृत्य में सिमरन एवं मधु, क्विन प्रतियोगिता में अनिमेष हेम्ब्रम, रंगोली प्रतियोगिता में रेज़िना बास्की, तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में मनिषा टुडू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ सत्यम कुमार, डॉ यदुवंश यादव, डॉ अविनाश हांसदा, डॉ अब्दुर्रहीम, डॉ निशा कुमारी, डॉ सैमुएल किस्कू, डॉ अमिता हेम्ब्रम, डॉ अनिता चक्रवर्ती, प्रो प्रतिभा किस्कू, डॉ अनिता राज हेम्ब्रम, प्रो स्वेता बास्की, डॉ कमल शिवकांत हरि, प्रो प्रतिभा टुडू, डॉ पूजा गुप्ता, प्रो बसंती हांसदा, डॉ किलिस मरांडी, डॉ लीना मुर्मू ने कार्यक्रम समन्वयक एवं निर्णायक मंडल की भूमिका में अपनी भागीदारी दी। इन प्रतियोगिताओं में चयनित छात्र/छात्राओं को 29 तारीख को विश्वविद्यालय में हो रहे हूल दिवस कार्यक्रम में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ यादव ने सभी प्रतिभागियों को अच्छे प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी हैं।

जलियांवाला बाग एक्सप्रेस से गिरने से महिला की मौत

कोडरमा। कोडरमा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सोमवार शाम करीब 7 बजे जलियांवाला बाग एक्सप्रेस से गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान न्यू कॉलनी कोडरमा निवासी 52 वर्षीय किरण देवी पिता राजकुमार साव के रूप में हुई है। उक्त महिला गया जंक्शन स्टेशन से सोमवार शाम करीब पांच बजे जलियांवाला बाग एक्सप्रेस पर सवार होकर कोडरमा आ रही थी। जहाँ चलती ट्रेन से उतरने के क्रम में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जहाँ घटना के बाद जीआरपी के जवानों के द्वारा उक्त महिला को सदर अस्पताल लाया गया। जहाँ इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

सांसद विद्युत महतो परसुडीह के मुंशी मुहल्ला में जल जमाव की निकासी को लेकर रेलवे के क्षेत्रीय प्रबंधक से मिले

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/लोकसभा के सांसद श्री विद्युत वरण महतो जी की उपस्थिति में टाटानगर रेल क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विनोद कुमार और अन्य कई पदाधिकारियों की मौजूदगी में सांसद ने परसुडीह मकदमपुर स्थित मुंशी मोहल्ला में नाले की पानी से जलजमाव के कारण करीब 10 घरों में नाली के पानी घुस जाने के कारण लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इस गंभीर विषय का स्थाई समाधान कैसे हो इस पर विचार मंथन रेल के सभी अधिकारियों ने किया और यह तय किया गया कि कल दिनांक 28/06/23 को प्रातः 10:30 बजे रेल के 4 सेक्शन के अधिकारी एवं पदाधिकारी मुंशी मोहल्ला जाकर पूरी स्थिति का मुआयना करेंगे। फिलहाल जल निकासी का यथाशीघ्र त्वरित समाधान करेंगे और भविष्य में यह पानी का सुचारू रूप से बहाव होता रहे। भविष्य में कभी जलजमाव ना हो, जगह पर ऐसी स्थिति ना हो इसको लेक र के रेलवे इंजीनियरिंग सेक्शन के वरिष्ठ अभियंता गन योजना बनाएंगे। मौजूद अधिकारियों को सांसद ने यह आश्वासन दिया कि आप इस जल निकासी के लिए प्राक्कलन बनाएं यदि आपको राशि की आवश्यकता होगी तो मैं अपने सांसद विकास निधि से दस से पंद्रह लाख रुपये भी देने को तैयार हूं।

इस संदर्भ में बताना चाहते हैं कि मखदुमपुर मुंशी मोहल्ला से गुजरने वाले इस नाले में परस-ुडीह ग्वालापट्टी, परसुडीह बाजार, रोबोट नगर, मखदुमपुर , डेमकासाईं, सोपोडेरा शंकरपुर, चांदनी चौक आदि क्षेत्रों का प्रतिदिन नाले से बहने वाला पानी इसी नाले में आकर मिलता है ।

यह समस्या बरसों पुरानी है। तकरीबन हर वर्ष बारिश के दिनों में इस बस्ती में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सांसद ने रेलवे अधिकारियों को स्थाई समाधान करने का निर्देश दिया है ।

उक्त बैठक में सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, अभय कुमार चौबे ,त्रिदेव चर्टराज बबलू श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव, सविता सिंह, धनेश सिंह गुड्डू, बबलू सिन्हा इत्यादि लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में दो दर्जन से अधिक मामले आए,सभी आवेदनों को निष्पादन करने का दिया निर्देश

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साप्ताहिक आयोजित होने वाले जनता दरबार में जिले वासियों की समस्याओं के निवारण के लिए उपायुक्त के समक्ष लगभग दो दर्जन से अधिक मामलो के आवेदन आए। जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के समस्याओं से निष्पादन की आस लिए आए नागरिकों के फरियाद को सुन उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत न्याय संगत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त वेश्म में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों द्वारा आम गैर मजुरूआ रास्ता में जबरन मकान बनाने के संबंध में, एलपीसी निर्गत करने के संबंध में, पारिवारिक विवाद निपटारा के संबंध में, अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान के संबंध में,जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में,पीएम आवास योजना में अनिमियतता के संबंध में,खतियानी जमीं हड़पने के संबंध में,भू रैयतों का मुआवजा भुगतान करने के संबंध में एवं इस दौरान रोजगार,मनरेगा,भूमि, म्यू टेशन,पेंशन,भूमिअधिग्रहण,आवास, राशन आदि समस्याओं से संबंधित आवेदन आए तथा उन आवेदनों को मार्क कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन के आदेश दिए।

रांची राज भवन के समक्ष आक्रोश पूर्ण रैली में बड़कागांव की जल सहिया भी हुई शामिल

बड़कागांव। झारखंड राज्य जलसहिया कर्मचारी संघ के नेतृत्व में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रांची स्थित राजभवन के समक्ष आक्रोश पूर्ण रैली एवं संलेख समर्पण कार्यक्रम में बड़कागांव प्रखंड के जल सहिया ने भी शामिल हुई। बड़कागांव जलसहिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष उर्मिला देवी के नेतृत्व में कई जलसहिया कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अहले सुबह रांची के लिए बड़कागांव से रवाना हुई। ज्ञात हो कि झारखंड राज्य जलसहिया कर्मचारी संघ द्वारा अपनी कई मांगों को लेकर कई चरणों में आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई है, जिसमें 26 जून 2023 को राजभवन के समक्ष आक्रोश पूर्ण रैली कार्यक्रम भी शामिल था। प्रदेश जलसहिया संघ का मुख्य मांगों में पूर्व सरकार के द्वारा दिए जा रहे 1000 मासिक बकाया मानदेय के साथ वापस करने, चुनाव के पूर्व घोषित न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मासिक मानदेय भुगतान का वादा पूर्ण करने, जल सहिया के कार्यकाल में मृत्यु होने पर अनुकंपा का लाभ देने, 20 लाख का बीमा का लाभ देने, विभाग के रिक्त पदों पर वरीयता एवं योग्यता के आधार पर नियुक्ति में प्राथमिकता देने, 65 वर्ष तक सेवा की गारंटी देने, ठेकेदारों को कार्य ना देकर जल सहिया को जल स्वास्थ्य संबंधी कार्य देने आदि शामिल है। बड़कागांव से अध्यक्ष उर्मिला देवी, सचिव नमिता कुमारी, कोषाध्यक्ष पूनम देवी, रेखा देवी, बीना देवी, नेहा देवी, आमना खातून, हकीमा निशा आदि शामिल थीं।

तलसवार विद्यालय का खेल मैदान फिर दबंगों ने कब्ज़ा का प्रयास,सन 1980 से विद्यालय संचालित

पुलिस तथा बड़कागांव प्रशासन के आने के बाद भागे दबंग लोग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव/ बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार का खेल मैदान का फिर दबंगों के द्वारा जॉन डियर (5103 मॉडल) ट्रैक्टर गाड़ी से खेल मैदान को जोतकर कब्ज़ा को लेकर प्रयास किया गया।जिसका थाना नंबर 105 खाता नंबर 52 प्लाट 916 हल्का 6 के तलसवार मौजा में स्थित है। इसके पूर्व कुछ दबंगों के द्वारा 11 नवंबर 2022 को जेसीबी लगाया गया था लेकिन ग्रामीणों तथा स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधियों के द्वारा विरोध तथा बड़कागांव पुलिस व अंचलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद दबंग लोग काम को बंद किया था। तथा निर्देश दिया गया कि जब तक ये क्लियर ना हो जाए तब तक विद्यालय पक्ष तथा रैयत पक्ष जमीन में दखल नहीं देंगे। लेकिन सोमवार को यह दबंग लोग नहीं माने और जमीन में ट्रैक्टर लेकर जोतने लगा। बतातें चलें कि ग्रामीणों का कहना है कि सन् 1980 से विद्यालय संचालित है तथा तब से खेल मैदान में विद्यार्थी खेलतें आ रहें हैं। वहीं सोमवार को उ.म.विद्यालय के प्राध्यापक ने अंचलाधिकारी को आवेदन देकर दबंगों लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने कि मांग कि है। आवेदन में स्थानीय मुखिया व पंसस के अलावे सैकड़ों ग्रामीणों का हस्ताक्षर है। वहीं स्थानीय कुछ लोगों का कहना है कि ये जमीन हमलोग का है जिसकी हमारी पूर्वजों के नाम कागज है,जिसका कागज अंचल कार्यालय खतियान में अंकित है, जो जांच का विषय है। राजस्व उपनिरीक्षक नवल किशोर प्रसाद ने कहा कि इसके पूर्व 11 नवंबर 2022 के मामले में स्थानीय रैयत को संबंधित कागजात कार्यालय बुलाया गया था लेकिन कोई रैयत नहीं आया।

वनरक्षी को चार हजार रुपये घूस लेते किया गिरफ्तार

कोडरमा। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को वनरक्षी को चार हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया है। कोडरमा वन प्रमंडल में तैनात वनरक्षी अमरेंद्र कुमार यूकेलिप्टस पेड़ के एवज में घूस की मांग कर रहा था।

मामले को लेकर पीड़ित सूरज कुमार ने एसीबी से शिकायत की थी कि अर्जुन मोदी के रैयती भूमि पर लगे युकेलिप्टस के पेड़ खरीदा, जिसका टीपी फ्री होता है, जिसे परिवहन कर चिराने के लिये आरा मिल ले जाना होता है। इसके लिये वनरक्षी का परमिशन आवश्यक है। परमिशन के लिये वनरक्षी पांच हजार रुपये घूस मांग रहा था। पीड़ित ने इसकी शिकायत एसीबी हजारीबाग से की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले की जांच की। इसके बाद मंगलवार को एसीबी की टीम आरोपित वनरक्षी को चार हजार घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपित वनरक्षी को एसीबी की टीम अपने साथ ले गयी।

आजसू ने फिर से किया फूट ओवर ब्रिज के निर्माण और पिगमेंट गेट के समीप पुलिया के नीचे जल जमाव से निजात की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। आजसू पार्टी जिला समिति द्वारा मंगलवार को दोपहर 12 बजे सहायक अभियंता रेलवे को ज्ञापन सौप निम्न विषयो से अवगत कराया और जल्द ही पूरे मामले से निवारण की मांग की।

ज्ञापन सौप रहे जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा की वीर कुंवर सिंह चौक से पिगमेंट गेट के रेलवे ब्रिज के नीचे बारिश होने पर जल जमाव हो जाता है जिससे पैदल तो दूर मोटर वाहन का भी आवागमन मुश्किल हो गया है ।

बार बार पानी जमा होने से पुलिया के नीचे सड़क पर बड़े बड़े गढ्ढे हो गए है जिससे बड़ी दुर्घटना की संभावना ज्यादा बढ़ गई है। स्टेशन से संकटा सिंह पेट्रोल पंप से पुलिया जो स्टार टाकीज तक जाती है इस पर भी गढ़े का भरमार हो गया है जिसकी मरम्मत अति आवश्यक है,साथ ही संकटा सिंह पेट्रोल पंप चौक से मुख्य सड़क चाईबासा बस स्टैंड तक के सड़क अत्यंत भ्यवाह स्थिति में है, जहा अत्यधिक दुर्घटनाएं होती है और किसी का भी ध्यान इस तरफ नही आता है।

सबसे महत्वपूर्ण विषय जुगसलाई फाटक जिसपर फूट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य का आपके विभाग ने आश्वासन दिया था लेकिन आज तक इसका निर्माण होता संभव नहीं दिखता है और इस का सीधा असर पैदल आवागमन कर रहे स्थानीय निवासियों पर पड़ता हैं, खासकर बुजुर्गो और महिलाओं की सुविधा हेतु कोई कार्य नहीं किया गया है ,

ज्ञापन का नेतृत्व जिला सचिव अरूप मल्लिक ने किया और सहायक अभियंता को कहा की स्थानीय मुद्दे जनहित से जुड़ा हुआ है और इसका निष्पादन बगैर राजनीतिक द्वैश का होगा तो बेहतर है अन्यथा आजसू पार्टी आज से ही इस सड़क के बेहतर निर्माण के लिए आंदोलन की शुरुआत कर दिया है। आगामी दिनों में इसका परिणाम भुगतने पड़ जाएंगे ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, जिला सचिव अरूप मल्लिक, कीर्तिवास मंडल, जिला संगठन सचिव ललन झा, छात्रसंघ अध्यक्ष हेमंत पाठक, जुगसलाई मंडल कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण प्रसाद, उपाध्यक्ष स्वरूप मल्लिक, प्रखंड सचिव संजय करवा, प्रखंड महासचिव ललित सिंह, प्रमोद चौबे, साहेब बागती, आशुतोष मिश्रा, रजनीश सिंह,राजीव कुमार, अजय गिरी, रविकेश सिंह, रोशन मुखी, सूरज मुखी, राजकिशोर मुखी, सत्य प्रकाश पाठक, सुभाष बेसरा के साथ-साथ अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

मरकच्चो प्रखंड सभागार मे विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक संम्पन्न

कोडरमा। मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय सभागार में मंगलवार को उप विकास आयुक्त कोडरमा ऋतुराज ने मरकच्चो प्रखण्ड में चल रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की।जिसमें मनरेगा योजना,आवास योजना, कार्य का निरीक्षण बैठक कर किया गया। एक एक पंचायत की जानकारी ली गई। बैठक के दौरान आवास योजना मनरेगा योजना से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए।उन्होंने बिरसा हरित क्रांति योजना 2 पर अधिक फोकस करने का निर्देश दिए। बैठक के पश्चात उन्होंने जिला परिषद के द्वारा ब्लॉक चौक पर नए दस दुकान बनवाने का निर्देश दिए।इसके बाद उन्होंने जिला परिषद के द्वारा मरकच्चो बाज़ार में किये जा रहे कार्यो का भी निरीक्षण किए।उन्होंने बाज़ार की सरकारी जमीन का जो अतिक्रमण किया है उसे जल्द ही मुक्त करवाने का निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि मरकच्चो प्रखंड का परफॉरमेंस अच्छा है। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी पप्पु रजक, अंचलाधिकारी रामसुमन प्रसाद,बीपीओ राकेश रंजन, राजेश कुमार, जे ई जागेश्वर उरांव, प्रमोद कुमार समेत सभी पंचायत सेवक,रोजगार सेवक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने भोपाल से रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली दिखाई हरी झंडी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने कुल पांच वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। झारखंड-बिहार को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है।यह ट्रेन सुबह 10:53 बजे पटना रवाना हुई। यह छह घंटे में पटना तक का सफर पूरा करेगी। रांची रेलवे स्टेशन को खुशी से झूम रहे लोगों ने वंदे मातरम् के घोष से गुंजायमान कर दिया। यात्रियों ने कहा कि इंतजार खत्म। ऐसा लग रहा है, जैसे फ्लाइट में बैठे हैं। वंदे भारत को पायलट के बालमुचू चला रहे हैं। उनके साथ लोको पायलट मनोज कुमार हैं। इस ट्रेन के मैनेजर अशोक पांडेय हैं।रांची रेलवे स्टेशन पर इस पल के साक्षी झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, मंत्री चंपई सोरेन, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, स्थानीय सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा, डीआरएम और दक्षिण पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर अर्चना जोशी समेत कई लोग बने।

वंदे भारत एक्सप्रेस में अलग-अलग स्कूलों के 100 विद्यार्थी भी सफर कर रहे हैं। इनमें से कई ने प्रधानमंत्री मोदी की पेंटिंग बनाई है।

बच्चों का कहना है कि मोदी उनके रोल मॉडल है। बच्चे प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत से इन्स्पायर हैं। वंदेभारत से सफर करने वाले 10वीं से 12वीं में पढ़ने वाले इन बच्चों में रांची के 10, मेसरा के 30, सैनिक स्कूल के 50 हैं। सैनिक स्कूल के बच्चे कोडरमा से गया तक जाएंगे। बरकाकाना में विकास विद्यालय के छात्रों को हजारीबाग तक लाया जाएगा। हजारीबाग से कोडरमा तक हजारीबाग डीएवी के 30 बच्चे, शिवतारा सरस्वती विद्या मंदिर के 20, सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल कुम्हारटोली से 45 छात्र शामिल होंगे।

कल से नियमितः वंदे भारत एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 22349/22350) का 28 जून से नियमित परिचालन होगा।यह ट्रेन पटना और रांची से मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी।

अधिकतम किराया 2110 रुपयेः वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में रांची से पटना के लिए वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1175 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 2110 रुपये है। पटना से रांची के लिए वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1025 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 1930 रुपये होगा। इन ट्रेनों में कुल आठ कोच होंगे। बुकिंग शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस की जमीन हड़पने की कोशिश मामले में एक गिरफ्तार

रांची। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस स्व. युसूफ इकबाल की जमीन हड़पने की कोशिश मामले में रविवार रात पुलिस ने भू-माफिया जुनैद रजा उर्फ चुन्ना को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने सोमवार को बताया कि मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि रविवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस स्व. युसूफ इकबाल की जमीन हड़पने की कोशिश मामले को लेकर दो भू- माफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इसे लेकर लोअर बाजार थाना में जमीन की देखरेख में प्रतिनियुक्त हवलदार जैनुल अंसारीकी ओर से मामला दर्ज कराया गया था।

स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बनी तो खत्म हो जाएगा सरकार का अस्तित्व : अमित महतो

रांची। खतियानी झारखंडी पार्टी के नेता अमित महतो ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि स्थानीय नीति-नियोजन नीति नहीं बनी तो सरकार का अस्तित्व खत्म हो जायेगा। इस सरकार को जनता मुंह तोड़ जवाब देगी। सत्ता में बैठी सरकार अमित महतो से डरती है, इसलिए जेल भेजने का काम कर रही है।

महतो ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2709 किलोमीटर मैराथन के माध्यम से राज्य के लोगों को एक साथ जोड़ने का काम किया है। इस दौरान राज्य में घूम कर देखा कि यहां बेरोजगार की फौज खड़ी है। सरकार अपनी प्राथमिकता में व्यस्त है। अपने लिए महंगी गाड़ी, बंगला और अपने फायदे के लिए बेरोक्रेट्स को आगे रखकर राज्य को लूटने का काम किया जा रहा है। आज के समय किसी भी जगह पैसे के बिना काम नहीं होता है। ईडी राज्य में रोज नये खुलासे कर रही हैं। अब तक कई अधिकारी जेल जा चुके हैं। आने वाले समय में और लोग भी सलाखों के पीछे होंगे।

अमित महतो ने कहा कि सोनाहातू थाना में 2006 में कांड संख्या 42 में तत्कालीन सीओ आलोक कुमार ने षड्यंत्र के तहत मुझे जेल भेजने का काम किया। 23 मार्च, 2018 में मुझे दो साल की सजा हुई। इस वजह से मेरी विधायकी चली गयी। सीओ ने एफआईआर में गलत जब्ती सूची प्रस्तुत करके जेल भेज दिया। हाई कोर्ट में अपील किया था तो 2 मई, 2023 को 2 साल की सजा को घटाकर एक साल कर दिया गया।

तीन अगस्त 2022 को स्थानीय नीति-नियोजन नीति को लेकर विधानसभा का घेराव किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत आंदोलन किया लेकिन सरकार ने गलत मानसिकता के तहत मेरे ऊपर केस किया। सिविल कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों में बेल के लिए अपील की लेकिन बेल अर्जी खारिज कर दिया गया। इसी को लेकर वह रांची कोर्ट में आत्मसमर्पण करेंगे।

रांची में आयोजित हुआ सी-20 चौपाल कार्यक्रम

रांची : सिटीजन्स फाउंडेशन और सेवा इंटरनेशनल द्वारा रांची में पहली बार सी-20 चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड में कार्यरत विभिन्न समाजिक संगठनों के संचालक तथा समाजसेवी, सिविल सोसायटी संगठन के प्रतिनिधि, कॉरपोरेट कंपनियों के सीएसआर प्रमुख तथा शैक्षणिक संस्थानों के महत्वपूर्ण स्कॉलरों ने भाग लिया और संयुक्त रूप से सेवा, सेवा की भावना, परोपकार और स्वयंसेवकवाद विषय के कई पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सांसद श्री संजय सेठ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महानदी कोलफिल्डस की स्वत्रंत निदेशक श्रीमति आशा लकड़ा, गेल इंडिया के स्वतंत्र निदेशक श्री संजय कश्यप, श्रीकृष्ण लोक प्रशासनिक संस्था के निदेशक आइएएस श्री मुकेश कुमार, सेवा इंटरनेशनल के निदेशक श्री शुभम कुमार सिटीजन्स फाउंडेशन के सीइओ श्री गणेश रेड्डी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि श्री संजय सेठ ने भारत मां की जयकारे के साथ सिटीजन्स फाउंडेशन और सेवा इंटरनेशनल के इस प्रयास की तारीफ की तथा उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजसेवा से बड़ा कुछ भी नहीं है। साथ ही समाज के कई पहलुओं पर चर्चा किया। श्रीमती आशा लकड़ा जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए त्याग, बलिदान और स्वयंसेवा के महत्व को बताया।

तीन सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले सत्र का संचालन मुक्ति मिशन की फाउंडर रश्मि साहा ने किया, जिसमें बतौर पैनलिस्ट सिनी झारखंड की स्टेट प्रोग्राम मैनेजर तनवी झा, पालोना संस्था की फाउंडर मोनिका आर्या, एएफसी इंडिया लिमिटेड की राज्य परियोजना निदेशक रिचा चौधरी ने 'सेवा की भावना' विषय पर विस्तार से चर्चा की और सामान्य जीवन पर इसके प्रभाव तथा सामाजिक महत्व के बारे में बताया। इसी तरह दूसरे सत्र में लाइव सेवर्स रांची के फाउंडर और समाजसेवी अतुल गेरा, राइज अप के फाउंडर ऋषभ आनंद तथा केजीवीके संस्था के संचीव डॉ. अरविंद सहाय ने बतौर पैनलिस्ट संयुक्त रूप से भाग लिया

झारखंड के चेगरो और चौधरीबांध स्टेशन के बीच गरबा एक्सप्रेस के पहिए में लगी आग

रांची। झारखंड में मंगलवार भोर 04:08 बजे चेगरो और चौधरीबांध स्टेशन के बीच गरबा एक्सप्रेस के पहिए में आग लग गई। ट्रैक मैन और ट्रेन के चालक की सतर्कता से हादसा टल गया। रेलवे के अनुसार चौधरीबांध कैंपिंग स्टाफ (ट्रैक मैन) ने सिक्योरिटी कंट्रोल धनबाद को पहिए में आग लगने की जानकारी दी। इसके बाद ट्रेन को रोका गया। गाड़ी के चालक सियाराम प्रसाद और गार्ड एसके सिंह ने बताया कि ब्रेक बाईंडिंग के कारण इंजन से पहला कोच पावर कार नंबर डब्ल्यू आर 192856/सी के चक्का में आग लग गई थी, जिसके कारण चेंग्रो हॉल्ट में ट्रेन मंगलवार की सुबह समय 3:45 से 4:08 बजे तक खड़ी रही। घटना के कारण इस रूट से गुजरने वाली ट्रेन नंबर 12825, ट्रेन नंबर 12987 पारसनाथ रेलवे स्टेशन में और 12307 पारसनाथ होल्ट पर खड़ी रही।

आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। हालांकि, इस बीच रेल कर्मियों ने 15 मिनट के आग पर काबू पर लिया। फिर ट्रेन चौधरी बांध रेलवे स्टेशन से 04:.57 बजे प्रस्थान कर गई।

अवैध कब्रिस्तान को हटाए सरकार, बचे काम को भी जल्द करे पूराः बाबूलाल मरांडी

रांची

भाजपा विधायक दल के नेता ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को मुख्य सचिव को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजमार्ग-75 (एनएच-75, खंड-4) का बचा काम जल्द पूरा कराने की अपील की है। साथ ही कहा है कि बचे काम को जल्दी पूरा करने से बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जाने-आने में लोगों को सहूलियत होगी।

बाबूलाल के मुताबिक एनएच-75 के रेहला-गढ़वा बाई पास रोड के शेष भाग 1.7 किमी का कार्य भूमि की अनुपलब्धता के कारण पूरा नहीं हो सका है। इस संबंध में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य राजेंद्र तिवारी ने भी इस मसले को उठाया है। मरांडी का कहना है कि एनएच-75 के निर्माण का कार्य वर्ष 2019 में एकरारनामा हुआ था। लगभग 90 फीसदी काम पूरा किया जा चुका है। शेष 1.7 किमी के निर्माण कार्य गैर मजरूआ जमीन पर अनाधिकृत रूप से बने कब्रिस्तान के चलते इस परियोजना का कार्य पूरा होने में बाधा आ रही है। इसका समाधान अत्यंत जरूरी है। इस संबंध में गढ़वा अंचल द्वारा बताया जा चुका है कि कब्रिस्तान अवैध रूप से गैर मजरूआ जमीन पर है। सीओ, गढवा द्वारा इस अतिक्रमण को हटाने का आदेश भी 6 मार्च, 2019 को दिया गया था।डीसीस गढ़वा के स्तर से भी 21 दिसंबर, 2022 को अतिक्रमण हटाने को मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया गया था लेकिन अतिक्रमण अब तक नहीं हटाए जाने से इस एनएच पथ का कार्य पूरा नहीं हो सका है।

बाबूलाल ने यह भी कहा है कि इस सड़क के निर्माण का विरोध करने वालों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 11 दिसंबर, 2020 को जब कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया तो याचिकाकर्ता किसी भी सबूत या दस्तावेज को दिखाने में विफल रहे।

हाई कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म और देह व्यापार मामले में राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट ने मंगलवार को जमशेदपुर के मानगो सहारा सिटी में नाबालिग से दुष्कर्म और देह व्यापार कराने के मामले में राज्य सरकार को प्रति शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई छह जुलाई निर्धारित की है।

हाई कोर्ट ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के भाई गुड्डू गुप्ता, तत्कालीन डीएसपी और थानेदार समेत 22 लोगों को आरोपी बनाए जाने को लेकर जमशेदपुर की निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को प्रति शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई छह जुलाई निर्धारित की है।

इससे पहले पीड़िता की मां ने इन सभी को आरोपित बनाने के लिए जमशेदपुर की स्पेशल कोर्ट में अर्जी दी थी। ये अर्जी कोर्ट ने मंजूर करके सभी 22 लोगों को मामले में आरोपित बनाने और ट्रायल चलाने का आदेश दिया था। यह मामला 19 जनवरी, 2018 का है जब पीड़िता ने अदालत में बयान दर्ज कराया था कि उसके साथ दो दर्जन लोगों ने दुष्कर्म किया है। इसके बाद डीएसपी और थानेदार को लाइन हाजिर कर दिया गया था लेकिन पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को क्लीन चिट दे दी गई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सीआईडी जांच का भी आदेश दिया था, लेकिन सीआईडी ने भी इनको क्लीन चिट दी थी।

मारपीट में घायल शख्स की मौत पर लगा सड़क जाम तीन घंटे बाद समाप्त

रांची। जमीन विवाद में हुई मारपीट में घायल शख्स की रिम्स में इलाज के दौरान मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को पिठोरिया चौक पर जाम लगा दिया। प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर तीन घंटे के बाद शाम छह बजे सड़क जाम समाप्त हो गया।मृतक के परिजन को सीओ ने तत्काल दस हजार रुपये मुआवजा दिया। साथ ही मृतक की पत्नी को जनवितरण प्रणाली की दुकान देने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास देने, तीन दिनों के अंदर आरोपितों की गिरफ्तारी करने के आश्वासन के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार पिठोरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली गांव में 16 जून को जमीन विवाद में दो पक्ष में मारपीट की घटना हुई थी। इसमें एक पक्ष के तीन लोग अशोक साहू, बलराम साहू और दिनेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल अशोक साहू की रिम्स में सोमवार की देर रात मौत हो गई। इस मामले में मृतक के भतीजे दिनेश साहू ने 12 लोगों के खिलाफ थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मारपीट में युवक घायल,एफआईआर दर्ज

रांची। आदर्श नगर में एक युवक के साथ मारपीट का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में अमर कुमार ने गोलू कुमार और उसके भाई अजय कुमार के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि अमर कुमार दूध लेने के लिए घर से गए थे। लौटने के क्रम में गोलू कुमार ने नशे में अपने दोस्तों के साथ अमर कुमार से पैसा छिनने लगे। पैसा नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की।

इसी क्रम में गोलू का भाई अजय भी पहुंच गया और दोनों ने मिलकर अमर के साथ मारपीट की। साथ ही लोहे के हथियार से हाथ में मारकर घायल कर दिया और फरार हो गए।

थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने मंगलवार को बताया किआरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मॉडल के यौन शोषण के आरोपित तनवीर की जमानत याचिका खारिज

रांची। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह की अदालत में बिहार के भागलपुर की युवती से मॉडलिंग के नाम पर यौन शोषण करने और लव जिहाद के आरोपित यश मॉडलिंग एजेंसी के संचालक तनवीर अख्तर उर्फ मोहम्मद लैक खान को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

मामले में तनवीर ने अदालत में जमानत याचिका दाखिल की थी। इसपर अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने तनवीर की जमानत याचिका खारिज कर दी ।

उल्लेखनीय है कि रांची पुलिस ने तनवीर को 14 जून को बिहार के अररिया से गिरफ्तार किया था। इस मामले में रांची पुलिस ने मॉडल का आठ जून को कोर्ट में 164 का बयान दर्ज और मेडिकल टेस्ट कराया था।

बिहार के भागलपुर जिले की रहने वाली एक युवती ने मॉडलिंग के नाम पर रांची के तनवीर पर यौन शोषण करने और जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। तनवीर रांची में यश मॉडलिंग एजेंसी चलाता था। युवती यहां मॉडलिंग सीखने आयी थी। इसके बाद से उसका संपर्क तनवीर से बढ़ा था। युवती ने मुंबई के वसोर्वा में मामला दर्ज कराया था। बाद में यह मामला रांची के गोंदा थाना को भेज दिया गया था। गोंदा थाना में इस संबंध में कांड संख्या 57/2023 दर्ज किया गया है। मामले में रांची पुलिस मुंबई जाकर मॉडल का बयान और प्रताड़ित किए गए वीडियो फुटेज लेकर आई थी।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार एवं रांची नगर निगम पर लगाया पांच हजार रुपये का जुमार्ना

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट में मंगलवार को झारखंड में नगर निकायों का चुनाव जल्द कराने को लेकर दायर रिट याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार और रांची नगर निगम की ओर से जवाब दायर नहीं होने पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। कोर्ट ने तीन सप्ताह में इन दोनों को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 20 जुलाई निर्धारित की। कोर्ट ने कहा कि 20 जुलाई तक मामले में सरकार की ओर से यदि जवाब दाखिल नहीं किया जाता है तो इस जुमार्ने को वसूला जाए।

रांची नगर निगम की पूर्व वार्ड पार्षद रोशनी खलखो सहित अन्य ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि राज्य में जल्द से जल्द शहरी नगर निकायों के चुनाव कराया जाएं। साथ ही जब तक चुनाव नहीं होता है तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में वर्तमान पार्षद को तदर्थ रूप में दायित्व का निर्वहन करने का आदेश कोर्ट से देने का किया गया है।

पूर्व में ही राज्य सरकार के द्वारा राज्य के 34 निकाय परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त कर सभी शक्तियां और कार्य प्रशासन को सौंपने का निर्णय लिया गया है। अब निकायों में पदस्थापित नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त या कार्यालय पदाधिकारी अगले आदेश तक प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। अगर उन्हें आवश्यकता होगी तो वह नगर विकास एवं आवास विभाग से परामर्श लेंगे।

सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त संस्थान घोषित करने का निदेश : उपायुक्त, बोकारो

सभी थाना प्रभारी कोटपा चलानिंग बढ़ाना सुनिश्चित करें : पुलिस अधीक्षक

बोकारो। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में बैठक की गई, जिसमें बोकारो जिला में चल रहे तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में अभी तक की प्रगति पर चर्चा की गई। मौके पर पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, उप विकास आयुक्त कीर्ति श्री जी, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह, अनुमण्डल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा कोटपा - 2003 के विभिन्न धाराओं का अनुपालन एवं जिला में किए जा रहे कार्यो के बारे विस्तृत से विस्तार से बताया गया। सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त संस्थान घोषित करने का निदेश उपायुक्त कुलदीप चौधरी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को मई, 2024 तक जिला के सभी शिक्षण संस्थानों को शत-प्रतिशत तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान घोषित करने का निर्देश दिया। उक्त हेतु राज्य सरकार द्वारा प्राप्त दिशा-निदेश के आधार पर माइकोप्लान बनाकर एवं टाफी गाईडलाईन का अनुपालन करेंगें। तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान घोषित करने व स्कूल की जवाबदेही तय करने के लिये जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक अपने स्तर पर बैठक कर जल्द से जल्द इसका अनुपालन कराना सुनिश्चित करेगें।सघन अभियान चलाकर कोटपा का अनुपालन करायेंगे पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा ने सभी थाना प्रभारियों को निदेश देते हुए कहा कि कोटपा 2003 के अनुपालन हेतु अपने-अपने क्षेत्र में ऑन स्पॉट चलानिंग बढ़ाये तथा जिन थाना प्रभारियों द्वारा पिछले एक भी चलानिंग नहीं की गई है वे बकरीद त्यौहार के उपरान्त सघन अभियान चलाकर कोटपा का अनुपालन करायेंगे। प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन कर इसका प्रत्येक माह समीक्षा करें जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा 2003 की धारा 5 व 7 पर अभी तक चालानिंग कम हो रही हैं। इस पर उपायुक्त द्वारा सभी प्रखण्ड स्तरीय व अनुमण्डल पदाधिकारी छापामारी दस्ता को पूर्ण रूप से सक्रीय होकर चालानिंग में वृद्धि करने का निदेश दिया गया ।

बाहर आएँ आत्मरक्षा सीखें महिलाएँ

महिलाओं, युवतियों और यहाँ तक कि बच्चियों के साथ भी हो रहे अत्याचारों की फेहरिस्त बढती चली जा रही है। इन तमाम घटनाओं की समीक्षा, भर्त्सना और विश्लेषण भी जारी हैं। एक सभ्य समाज में जीने के भ्रम को ये सारी घटनाएँ झटके में तोड़कर रख देती हैं। इन घटनाओं से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाएँ आत्मरक्षा के मामले में कमजोर पड़ जाती हैं। नहीं... यहाँ मसला शारीरिक ताकत या संसाधनों का भी नहीं है। असल में यहाँ भी स्त्री का स्त्री होना उसके आड़े आ जाता है। वह स्त्री जिसकी भावनाएँ और बचपन से मिली शिक्षा उसे किसी के प्रति अचानक कठोर होने से रोक देते हैं। वहीं खुद को गंभीरता से न लेने की महिलाओं की आदत भी इस मामले में उनके पिछड़ने का कारण बन जाती है।

जब भी युवतियों के साथ पूरे समाज को हिला देने वाली आपराधिक घटनाएँ घटती हैं तो पुलिस से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएँ तक एक ही हल लेकर सामने आती हैं, यह है युवतियों को आत्मरक्षा में निपुण बनाना। कराटे, आँखों में मिर्ची का स्प्रे डालना, मोबाइल गिजमोज, चाबी के छल्ले के बहाने कोई नुकीला हथियार रखना जैसे उपाय भी बताए जाते हैं। लेकिन हर बार की एक ही जैसी कहानी के बावजूद लोग सोचते नहीं और पूछते भी नहीं कि अभी तक कभी आत्मरक्षा के गुर महिलाओं के उतने काम क्यों नहीं आए? ऐसा क्यों होता है कि महिलाओं के विरुद्ध जब समाज में अपराध बढ़ जाते हैं तो हर तरफ आत्मरक्षा का शोर सुनाई पड़ता है और एक-दो दिन के बाद जैसे ही यह शोर थमता है, हर कोई भूल जाता है कि आखिर आत्मरक्षा के कागजी आइडिए कभी व्यावहारिक सफलता क्यों नहीं हासिल करते? आज युवतियाँ चाहे वे किसी भी वर्ग की हों, पढ़ी-लिखी हो या नहीं, गरीब घर की हों या अमीर घर की, कोई भी दावे से नहीं कह सकती कि वह सुरक्षित है। ऐसे में आत्मरक्षा के उपाय काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं लेकिन अधिकाँश मामलों में ऐसा नहीं हो पाता।

कार्पोरेट जगत में महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने वाले कैप्टन जयप्रीत के अनुसार- 'मैंने सभी वर्ग की हजारों महिलाओं के साथ काम किया है, जिनमें बड़ी कंपनियों की प्रबंधकों से लेकर साधारण घरेलू महिलाएँ तक शामिल होती हैं। मेरा अनुभव है कि अगर आप अपनी ट्रेनिंग को महिलाओं के दरवाजे तक ले जाएँ तब तो वे आपके साथ सहयोग करने को तैयार होती हैं लेकिन इसके लिए उन्हें कहीं जाना पड़े,अतिरिक्त प्रयास करना पड़े तो उन्हें समाज और परिवार की तरफ से मुश्किल आती है। इसके अलावा बहुत सी महिलाएँ जड़ता का शिकार भी होती हैं।'

तोड़िए यह झिझक का घेरा

असल में महिलाओं में जो निर्णय न ले पाने की ग्रंथि है कहीं न कहीं आत्मरक्षा के आइडिए को वही टाँय-टाँय फिस कर देती है। यह भी एक तथ्य है कि अधिकतर महिलाओं की बॉडी लैंग्वेज ऐसी नहीं होती जो अपराधियों को डराए या उन्हें अपराध करने से पहले सोचने पर मजबूर करे। मतलब यह कि आत्मरक्षा का आइडिया तब सफल हो सकता है जब महिलाएँ आत्मरक्षा के गुर सीखने के साथ अपनी बॉडी लैंग्वेज से साहस,-पराक्रम और आत्मविश्वास व्यक्त करना भी सीखें।

असली बात शायद यह भी है कि जैसे ही महिलाओं के विरुद्ध कोई हादसा होता है, तो अचानक महिलाओं की आत्मरक्षा पर जोर दिया जाने लगता है लेकिन दो-चार दिन बीतते ही इसे भुला दिया जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि आत्मरक्षा का गुर कोई ऐसा ज्ञान नहीं है जिसे एक बार सीख लेने के बाद वह हमेशा कारगर रहे। आत्मरक्षा सजगता की पूरी एक प्रक्रिया है और अगर महिलाओं को इसमें मजबूत बनना है तो इसे अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना पड़ेगा। दो-चार कक्षाओं से इसे सीखा नहीं जा सकता। यही नहीं अगर वाकई आत्मरक्षा को मजबूत हथियार बनाना है तो बिना हादसे का इंतजार किए हर दिन उसका अभ्यास भी करना होगा। एक दिक्कत यह भी है कि अक्सर महिलाएँ आत्मरक्षा की क्लासेस या शिविर को शुरूआती तौर पर तो बड़े उत्साह से लेती हैं.. दो-चार दिन बेहद संजीदगी से क्लासेस अटैंड भी करती हैं लेकिन फिर उतनी ही जल्दी इसे भूल भी जाती हैं। इसलिए जरूरत पड़ने पर भी वे इसका फायदा नहीं उठा पातीं। यही वजह है कि बहुत कम ही महिलाएँ अपराध के विरुद्ध अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा पाती हैं। इनमें भी मजदूर वर्ग की कठिन श्रम करने वाली, खिलाड़ी या ऐसे ही किसी क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है जो प्रतिदिन शरीर की लय बनाए रखती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक आप महज कुछ सेशन्स में यह तो जान सकते हैं कि आत्मरक्षा कैसे की जाती है लेकिन यह जरूरी नहीं कम समय में आप शारीरिक स्टेमिना भी विकसित कर लें। इसके लिए आपको निरंतर प्रैक्टिस करनी पड़ेगी।

इन सबके अलावा लड़कियों के प्रति घर के लोगों का ओवरप्रोटेक्टिव रवैया तथा आत्मरक्षा जैसे विषय को संजीदगी से न लेना भी एक बड़ा कारण बन जाता है। सामाजिक माहौल, सदियों की मानसिकता और कमिटमेंट का अभाव। ये वे मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से महिलाओं के बीच आत्मरक्षा का आइडिया आकार नहीं ले पाता।

जीवन के फुटपाथ पर बड़बड़ करते चलिए!

एक थीं सौद्रा बुआजी। वे संपन्ना घरों में खाना बनाने, बीनने-चुगने जैसे काम करती थीं। यही उनकी आजीविका थी। वे अक्सर सड़क पर दिख जाती थीं। मगर किसी से दुआ-सलाम नहीं करती थीं। वजह यह थी कि लम्ब-तड़ंग और सीधी तनी हुई मुद्रा वाली सौद्रा बुआजी, सड़क पर हमेशा अपना एक हाथ हिलाती हुई और खुद से बात करती हुई चलती थी। हम लोग तब बच्चे थे और इस बात पर हँसते थे। सौद्रा बुआजी दिखतीं तो एक-दूसरे को कोहनी मार कर कहते, 'देखो सौद्रा बुआजी जा रही हैं, बड़बड़ाती हुई।'

दरअसल सौद्रा बुआजी का पूरा नाम सुभद्रा था। उनका दुनिया में कोई नहीं था। एक बार वे अपने काम वाली जगह पर एक गृहिणी से कह रही थी कि मैंने तो अपना श्राद्ध भी खुद ही कर लिया है, पीछे कौन करेगा? सौद्रा बुआजी अब नहीं रहीं। अब पीछे पलट कर देखो तो समझ आता है कि वे खुद से बातें क्यों करती थीं? उनका कोई अपना वाला था ही नहीं। आखिर इंसान हमेशा अपने उद्गार व्यक्त करना चाहता है। वह प्रश्न करना और उत्तर सुनना भी चाहता है। उत्तर देने वाला न मिले तो उत्तर भी खुद ही दे लेता है। मन ही मन तो ऐसा सभी करते हैं। खुद से पूछते हैं कि ऐसा करूँ कि वैसा करूँ। यहाँ जाऊँ कि वहाँ जाऊँ! कभी-कभी हमारे मुँह से मन में चलते हुए भाव उद्गार बन कर फिसल भी जाते हैं। जैसे कि कभी कोई किसी चीज से टकरा जाए, तो अचानक खुद से ही कह बैठता है, 'अरे यार मैं भी क्या बेवकूफ हूँ।' कुछ लोगों को जोर से बोल-बोल कर काम करने की भी आदत होती है जैसे, 'चलो ये फाइल तो हो गई, अब अगली उठाते हैं।' ऐसे लोगों के समीप बैठने वाले मुस्काए बगैर नहीं रहते। नन्हें बच्चे भी जब अकेले हों तो बुदबुदाते हुए खेलते हैं। सच तो यह है कि भीतर ही भीतर यानी आवाज को 'म्यूट' पर रखकर आत्मालाप हम सब करते हैं और करना भी चाहिए। आत्मालाप अंततः विचार प्रक्रिया का ही हिस्सा है। खुद के निर्णयों के लिए खुद ही ढंग से विचार करना अच्छा ही है। बिना विचारे यानी बिना स्वयं से बात किए हड़बड़ी में अपरिपक्व निर्णय लेने के परिणामों से सभी वाकिफही हैं।

स्वयं से बात करना सकारात्मक सोच का भी एक हिस्सा है। इसे ऑटोसजेशन कहा जाता है। इसके जरिए स्वयं का हौसला बढ़ाना, स्वयं की शक्तियों में विश्वास करना, कोई रोग है तो स्वयं के ठीक होने की इच्छा शक्ति स्वयं पर प्रकट करना आदि चीजें आती हैं। ऑटोसजेशन में भी व्यक्ति स्वयं को बाकायदा, जोर से बोलकर सकारात्मक सुझाव देता है।

स्वयं से बात करने की श्रेणी में अपने भीतर की आवाज सुनना और बाहर की आवाज और भीतर की आवाज के बीच विमर्श होने देना, स्वयं से बातचीत का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। क्योंकि जो व्यक्ति अंतरात्मा की महीन, मृदु और निष्कलुष आवाज सुनता है, वह बाहर की ऊँची आवाज के नीचे इसे दबने नहीं देता। जो व्यक्ति अंतरात्मा से पूछता है यह करूँ कि न करूँ? क्या यह उचित है? वह अपने आप में सर्वोत्कृष्ट इंसान होता है। खुद से वार्तालाप के चलते वह गलत काम नहीं करता, क्योंकि उसे पता होता है दुनिया देख रही है या नहीं, पर गलत किया तो वह खुद को क्या जवाब देगा? हम जीवन के फुटपाथ पर ऐसी ही बड़बड़ करते हुए चलते रहें तो हमारे खुद के लिए अच्छा ही होगा। इस पर नासमझ लोग हँसें तो उनकी मर्जी। हमारा क्या जाएगा?

गड़बड़

सामग्री-

1-1 स्कूप वनीला आइस्क्रीम, चुटकी भर केसर, 1/2 कटोरी काजू-पिस्ता (बारीक कटे) तथा किशमिश, 1 ग्लास ठंडा दूध और बर्फ की टुकड़ी।

विधि-

सभी सामग्रियों को एक तपेली में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ। उसमें ठंडा दूध भी मिला लें। ऊपर से केसर व रोज सिरप डालें तथा बर्फ की टुकड़ी डालकर सर्व करें।

जरुरी है खेलकूद भी

हेल्थ प्लस

हाल ही में देश के 15 शहरों के 5 से 14 वर्ष तक के स्कूली बच्चों पर हुए एक सर्वेक्षण से चौंकाने वाले आँकड़े सामने आए हैं। आधे से अधिक बच्चों का बॉडी मास इंडेक्स सामान्य से अधिक पाया गया है। अधिकांश बच्चे शारीरिक गतिविधियों यानी खेलकूद से दूर रहते हैं। उनकी जिंदगी इतनी व्यस्त हो गई है कि खेलने के लिए उनके पास समय ही नहीं है।

किशोरावस्था तक पहुंचते हुए वे मोटापे से ग्रस्त हो रहे हैं। जीवन की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें शारीरिक गतिविधियों से दूर कर दिया है। स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शालेय गतिविधियों के अलावा प्रतिदिन 60 मिनट खेलकूद अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। खेलकूद की सलाह देने वाले चिकित्सकों से अक्सर पालक यही प्रतिप्रश्न करते हैं कि आखिर कब और कहाँ भेजें बच्चों को खेलने के लिए।

खेल कूद की चाहत रखने वाले बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त स्थान ही नहीं है। शहरी इलाकों में खेल के मैदान कम होते जा रहे हैं। स्कूलों में खेलकूद के पीरियड को कोई गंभीरता से नहीं लेता। वैसे भी 卐पढ़ने लिखने卐 वाले बच्चों में खेलकूद को दोयम दर्जे की गतिविधि माना जाता है। बच्चे इसे चाहे कितनी ही वक्त बर्बाद करने वाली गतिविधि मान लें लेकिन हरेक को एक न एक खेल जरूर खेलना चाहिए। एक तो पहले ही पालकों की यह मान्यता है कि बच्चों को खेलकूद में वक्त बर्बाद नहीं करना चाहिए, दूसरे बच्चे भी शारीरिक श्रम से बचने और टीवी या कम्प्यूटर मॉनिटर के सामने बैठने के बहाने बानने लगते हैं। कई लड़कियाँ यह कहते हुए खेलकूद से इंकार कर देती हैं कि यह सब तो लड़कों के लिए है। कई लड़कों के पास अधिक पढाई का बहाना होता है।

क्या करें

कई बच्चे स्कूल में खेलकूद और कसरतों को लेकर काफी उदिग्न रहते हैं। यदि आपका बच्चा स्कूल में सामुहिक रूप से खेल-कूद में हिस्सेदारी नहीं करता तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके लिए कुछ उपाय आजमाए जा सकते हैं।

★ स्कूल में स्पोर्ट्स टीचर को बच्चे की समस्या से अवगत कराया जा सकता है।

★ बच्चे को जिस खेल में रुचि हो उसे उस खेल में हिस्सेदारी के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

★ आमतौर पर स्कूलों में गेम्स पीरियड पढ़ाई के बाद आते हैं। पढ़ाई के बाद बच्चे थक जाते हैं इसलिए भी खुलकर खेलने से बचते हैं। इस समस्या का उचित हल स्कूल प्रबंधन से मिलकर निकाला जा सकता है।

क्या है फायदा

कसरत करने या खेलकूद में हिस्सेदारी की कोई उम्र नहीं होती। सभी को कोई न कोई शारीरिक गतिविधि में मुब्तिला होना चाहिए। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के फायदे होते हैं। किसी भी खेल में हार और जीत होती है। वे दूसरों के साथ सामंजस्य करना सीखते हैं और उन्हें पर्याप्त स्थान देने की आदत डालते हैं। जो बच्चे अक्सर अकेले रहते हैं या दूसरों बच्चों से कम घुलते मिलते हैं उनमें सामुदायिक भावना का विकास नहीं हो पाता। बड़े होने पर वे दूसरों के प्रति असहिष्णु और क्रूर भी हो जाते हैं। स्पोर्टिग स्पीरिट सिर्फ सामुहिक रूप से खेलने के दौरान ही विकसित होती है। नियमित कसरत अथवा 90 मिनट तक पसीना निकाल देने वाले किसी भी खेल में माँसपेशियों के लचीली और मजबूत होने के साथ ही हड्डियों की बनावट भी तगड़ी हो जाती है।

चमत्कारिक औषधि एस्प्रीन

हम सभी ने कभी न कभी एस्प्रीन की टिकिया का प्रयोग जरूर किया है। इस निरापद और किफायती औषधि में सामान्य दर्दनिवारक होने के साथ-साथ अन्य औषधीय गुण भी हैं। एस्प्रीन की एक छोटी खुराक जहाँ आपको दिल के दौरे के जोखिम से दूर रख सकती है वहीं वह कैंसर की बढ़त को भी धीमा कर सकती है।

हाल ही में चिकित्सा विज्ञान की प्रतिष्ठित पत्रिका 'लेंसेट' में तीन शोध प्रकाशित हुए हैं जो यह बताते हैं कि विभिन्ना तरह के कैंसर के मरीजों में एस्प्रीन थैरेपी से मौत का जोखिम 37 प्रतिशत कम हुआ है। यद्यपि एस्प्रीन थैरेपी सभी मरीजों के लिए कारगर हो ऐसा नहीं है लेकिन कई मरीजों को इससे फायदा होता है। नियमित रूप से एस्प्रीन थैरेपी लेने वाले कुछ मरीजों को फायदे के स्थान पर नुकसान भी झेलना पड़ा। आइए समझते हैं एस्प्रीन के फायदे और नुकसान-

कम होता है स्तन कैंसर का जोखिम

एस्प्रीन थैरेपी से महिलाओं में स्तन कैंसर का जोखिम कम होता है। स्तन कैंसर का इलाज करा चुकी महिलाओं में दूसरी बार यह बीमारी न हो इसमें एस्प्रीन थैरेपी मदद करती है। कुछ मामलों में तो इसे स्तन कैंसर की रोकथाम करते हुए देखा गया है। एक शोध के मुताबिक स्तन कैंसर का इलाज करा चुकी महिलाओं में से एक समूह ने हफ्ते में दो से तीन बार तक एस्प्रीन की हल्की खुराक खाई थी, उन्हें दुबारा कैंसर होने का जोखिम दूसरों के मुकाबले 71 प्रतिशत तक कम हो गया था। इसी तरह सन 2008 में जर्नल ऑफनेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक जो महिलाएं नियमित रूप से एस्प्रीन का सेवन करती हैं उन्हें स्तन कैंसर का जोखिम 13 प्रतिशत तक घट गया था।

अस्थमा में रोकथाम

फेफड़ों और श्वासरोगों से संबंधित पत्रिका 'थोरेक्स' में 2008 में प्रकाशित एक अध्ययन से मालूम हुआ कि 45 साल से अधिक उम्र की जिन महिलाओं ने 100 मिलीग्राम एस्प्रीन प्रतिदिन खाई है उन्हें अगले एक दशक तक अस्थमा होने का जोखिम 10 प्रतिशत तक कम हो गया है।

क्या है नुकसान

एस्प्रीन की गोलियाँ सिर्फ फायदा ही करती हैं ऐसा नहीं है। शोधकर्ताओं का मानना है कि एस्प्रीन का नियमित सेवन करने वालों को कई तरह की परेशानियाँ भी हो सकती हैं। हम सभी ने कभी न कभी एस्प्रीन की टिकिया का प्रयोग जरूर किया है। इस निरापद और किफायती औषधि में सामान्य दर्दनिवारक होने के साथ-साथ अन्य औषधीय गुण भी हैं। एस्प्रीन की एक छोटी खुराक जहाँ आपको दिल के दौरे के जोखिम से दूर रख सकती है वहीं वह कैंसर की बढ़त को भी धीमा कर सकती है।

दिल की बीमारी का जोखिम घटता है

जर्नल ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक शोध से पता चला है कि जिन मरीजों को पहले दिल का दौरा पड़ चुका है उन्हें एस्प्रीन थेरेपी से दूसरा दौरे को आगे द्रकेलने में मदद मिलती है। दिल के मरीज को एस्प्रीन के साथ-साथ आईब्रूफेन नामक औषधि नहीं लेना चाहिए। अमेरिका की संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने चेतावनी दी है कि आईब्रूफेन एस्प्रीन के प्रभाव को कम करती है।

पार्किसन्स बीमारी में देती सुरक्षा

न्यूरोलॉजी विज्ञान की पत्रिका में प्रकाशित एक शोध प्रबंध में सुझाया गया है कि जो महिलाएं नियमित रूप से एस्प्रीन का सेवन करती हैं उन्हें पार्किसन्स नामक रोग से 40 प्रतिशत तक सुरक्षा मिलती है।

प्रोस्टेट कैंसर की जाँच पर असर

नियमित रूप से एस्प्रीन खाने वाले मरीजों में प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन का स्तर 10 प्रतिशत तक कम हो जाता है जिससे प्रोस्टेट कैंसर की जाँच के नतीजे प्रभावित हो जाते हैं। एस्प्रीन खाने वालों की प्रोस्टेट कैंसर के लिए कराई जाँच के नतीजे ठीक नहीं आते।

सुनने की क्षमता कम होना

अमेरिकन जर्नल ऑफमेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि हफ्ते में दो बार नियमित रूप से एस्प्रीन खाने वाले 12 प्रतिशत पुरुषों में सुनने की क्षमता पहले से कम हो गई।

मधुमेह के रोगियों को फायदा नहीं

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक मधुमेह के रोगियों में दिल का पहला दौरा पड़ने से रोकने में एस्प्रीन का सेवन कोई मदद नहीं करता। मधुमेह रोगियों को दिल की बीमारी का जोखिम दूसरों के मुकाबले दो गुना अधिक होता है।

एल्जाइमर से बचाव की उम्मीद

न्यूरोलॉजी की मैगजीन में सन 2008 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार एस्प्रीन के नियमित प्रयोग के बाद वृद्धावस्था में एल्जाइमर्स नामक बीमारी होने का जोखिम 13 प्रतिशत कम हो जाता है।

पेट की समस्या हो सकती है

लंबे समय तक नियमित रूप से एस्प्रीन लेने पर पेट में छाले होने की आशंका रहती है। कई मरीजों की आहार प्रणाली में छाले होने के साथ खून आने की भी शिकायत हो जाती है।

रक्तस्राव का जोखिम है

एप्रीन रक्त के प्लेटलेट की चिपचिपाहट कम करती है। इससे खून में थक्का बनने की प्रक्रिया बंद हो जाती है। शरीर के किसी हिस्से में चोट लगने या कट जाने पर खून निरंतर बहता रहता है क्योंकि थक्का बनकर वहीं जम जाने की विशेषता खत्म हो चुकी है। ऐसे में यदि ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क में रक्तस्राव होने लगे तो मरीज की जान बचाना मुश्किल हो जाती है।

बालों का बदलता रंग

बालों के उगने, बढने व गिरने का क्रम सतत चलता रहता है। दिल टूटने एवं तलाक के बाद बाल कमजोर होते हैं एवं गिरने लगते हैं जबकि तनाव बढने पर काले बालों का रंग बदलकर भूरा हो जाता है। चिकित्सीय समस्या को लेकर किए जा रहे एक शोध के मुताबिक तनाव बढने पर हार्मोनल बदलाव होता है। यही बालों के मूल रंग को प्रभावित कर बदलने लगता है।

चीन से कोई मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेगा श्रीलंका:प्रेसिडेंट बोले- हमारे देश का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे; जल्द सुधरेगी इकोनॉमी

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि उनके देश का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं किया जा सकेगा। ब्रिटेन और फ्रांस के दौरे पर रवाना होने से पहले रानिल ने कहा- इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि हम चीन से कभी मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेंगे।

विक्रमसिंघे ने एक इंटरव्यू में कहा- चीन और श्रीलंका के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन हम ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे देश में चीन का कोई मिलिट्री बेस नहीं हैं और न होगा। कोई भी देश श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगा। हम देश की इकोनॉमी को भी जल्द पटरी पर ले आएंगे।

» श्रीलंका न्यूट्रल कंट्री

फ्रांस के मीडिया हाउस 'फ्रांस 24' को दिए इंटरव्यू में रानिल से ज्यादातर सवाल चीन और श्रीलंका पर ही किए गए। एक सवाल के जवाब में रानिल ने कहा- श्रीलंका न्यूट्रल कंट्री है और हमने चीन के साथ कोई मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं किया है। ऐसा करने का कोई प्लान भी नहीं है।

भारत के बारे में पूछे गए सवाल पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा- हमने भारत को कई बार भरोसा दिलाया है और इस बात को मैं दोहरा रहा हूं कि हमारे देश से भारत के खिलाफ कोई खतरा पैदा नहीं होने दिया जाएगा। कोई भी देश श्रीलंका को बेस के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।

चीन से जुड़े एक सवाल पर रानिल ने कहा- चीन हमारे देश में 1500 साल से है, लेकिन उसका कोई मिलिट्री बेस यहां नहीं है। ऐसा होगा भी नहीं। ये सही है कि हम्बनटोटा पोर्ट चीन के पास 99 साल की लीज पर है, लेकिन ये भी याद रखें कि इसकी सिक्योरिटी हमारी फौज के पास है। इसका इस्तेमाल सिर्फ कारोबार के लिए किया जा सकता है।

एक सवाल के जवाब में रानिल ने कहा- हम मुश्किल दौर से गुजरे हैं और अब हालात काफी बेहतर हुए हैं। भारत समेत कई देशों ने हमारी मदद की है। मुझे पूरी उम्मीद है कि श्रीलंका की इकोनॉमी बहुत जल्द पटरी पर लौट आएगी।

» श्रीलंका आया था चीन का जासूसी जहाज

पिछले साल चीन का स्पाई शिप युआन वांग-5 श्रीलंका के हम्बनटोटा पोर्ट पहुंचा था। तब इससे भारतीय नौसेना और इसरो की जासूसी का खतरा बढ़ गया था। हालांकि, तब भारत ने भी जवाबी तैयारियां कर लीं थीं।

चीन का यह स्पाई शिप करीब 750 किमी दूर तक आसानी से निगरानी कर सकता है। हम्बनटोटा पोर्ट से तमिलनाडु के कन्याकुमारी की दूरी करीब 451 किलोमीटर है। जासूसी के खतरे को देखते हुए ही भारत ने श्रीलंका से इस शिप को हम्बनटोटा में एंट्री न देने को कहा था।

युआन वांग-5 को स्पेस और सैटेलाइट ट्रैकिंग में महारत हासिल है। चीन युआन वांग क्लास शिप के जरिए सैटेलाइट, रॉकेट और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी क्ळइट की लॉन्चिग को ट्रैक करता है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक- इस शिप को ढछअ की स्ट्रैटजिक सपोर्ट फोर्स यानी रस्त्रऑपरेट करती है। रस्त्रथिएटर कमांड लेवल का आर्गेनाइजेशन है। यह ढछअ को स्पेस, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक, इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन और साइकोलॉजिकल वारफेयर मिशन में मदद करती है।

इससे पहले चीन ने 2022 में जब लॉन्ग मार्च 5इ रॉकेट लॉन्च किया था, तब यह शिप निगरानी मिशन पर निकला था। हाल ही में यह चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के पहले लैब मॉड्यूल की लॉन्चिग की समुद्री निगरानी में भी शामिल था।

» हम्बनटोटा पोर्ट 99 साल की लीज पर

श्रीलंका ने कर्ज न चुका पाने के बाद 2017 में साउथ में स्थित हम्बनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। ये पोर्ट एशिया से यूरोप के बीच मुख्य समुद्री व्यापार मार्ग के पास स्थित है। जो चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका ने हमेशा ये चिंता जाहिर की है कि 1.5 अरब डॉलर की लागत से तैयार हुआ ये बंदरगाह चीन का नौसेना बेस बन सकता है।

मार्ग-दर्शन

एक स्त्री ने बुद्ध की दुविधा को दूर किया

उन दिनों गौतम बुद्ध के समक्ष जब प्रथम बार महिलाओं को दीक्षा देने का प्रस्ताव आया तो उन्होंने इंकार कर दिया। उन्हें महिलाओं से कोई संकोच नहीं था, उन्हें आपत्ति यह थी कि अधिकांश लोगों के आकर्षण का कारण बुद्ध है, बुद्धत्व नहीं। जबकि वे चाहते थे कि उन्हें नहीं बल्कि उनकी विचारधारा का अनुसरण किया जाए। फिर पुरुषों का उनके प्रति आकर्षण तो सहनीय है, किंतु महिलाओं का आकर्षित होना बुद्ध के चरित्र पर शंका का कारण खड़ा कर सकता था, इसलिए उन्होंने महिलाओं को संघ में प्रवेश नहीं दिया। हालांकि उनकी समदृष्टि महिला-पुरुष में यह भेद सहन नहीं कर पा रही थी। ऐसी ही ऊहापोह में बुद्ध से एक दिन कृशा गौतमी नामक महिला ने कहा- प्रभु! जब आप कठोर उपवास कर दुर्बल हो गए थे और बुद्धत्व को प्राप्त कर उठे ही थे, तब आपको खीर की भेंट चढ़ाने वाली भी एक महिला ही थी। उसका भाव आपके प्रति भक्त और भगवान वाला था। इस भाव को तो दुनिया में कभी, कहीं संदेह की नजरों से नहीं देखा जाता। मैं आपको बताना चाहती हूं कि हम बुद्ध के लिए नहीं, बुद्धत्व को उपलब्ध होने के लिए ही आए हैं। कृपया हमारे भाव को देखिए। बुद्ध का असमंजस गौतमी की बातों से दूर हो गया और उन्होंने महिलाओं के लिए संघ के द्वार खोल दिए। प्रसन्नता की बात यह रही कि बुद्ध ने जिस उच्च और पवित्र भावना के वशीभूत होकर महिलाओं को दीक्षा दी, बदले में उन्होंने भी उसका पूर्ण सम्मान किया और संघ का नाम ऊंचा किया। वस्तुत: नारी मां, पत्नी, बहन आदि सभी रूपों में स्नेह और संरक्षण की पवित्र गंगा प्रवाहित करती हैं। इसलिए कहा गया है- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:।

जीने की राह

अपने वानप्रस्थ को बर्फ जैसा बना लें

मनुष्य की उम्र और जीवन की स्थितियों के साथ समस्याएं भी रूप बदलती हैं। इस स्तंभ में पिछले दो सोमवार से हम विचार कर रहे हैं कि हर समस्या का समाधान केवल धन नहीं होता। इसलिए हमारे ऋषि-मुनियों ने बड़ी बुद्धिमानी से जीवन को चार भागों में बांटा है। इनमें जब समस्या आए तो धन से अधिक रुचि से समाधान निकाले जाएं। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास ये आयु के चार कालखंड बड़े योजनाबद्ध तरीके से बनाए गए हैं। इन्हें वर्णाश्रम भी कहा गया है। आज वानप्रस्थ की दृष्टि से समस्या के निदान पर विचार करेंगे। उम्र की दृष्टि से यह संवेदनशील काल है। अपना गृहस्थ जीवन जीने के बाद अपनी संतानों की संतानें देखते हुए यह काल शुरू हो जाता है। जीवनभर की सक्रियता और निष्क्रियता यहां परिणाम देने लगती है। चूंकि आसपास की स्थितियां तो गतिशील होती हैं और शरीर शिथिल होने लगता है, ऐसे में एक उदासी माथे चढ़ने लगती है। वानप्रस्थ की आयु में अन्य तीनों आश्रम का भी स्वाद रहता है। बच्चों के बीच रहते हुए ब्रह्मचर्य आश्रम याद आता है। अपनी संतानों की गृहस्थी देख अपना बीता दांपत्य स्मरण होता है और संन्यास की चाहत भी अंगड़ाई लेने लगती है। वानप्रस्थ की रुचि में भ्रम बहुत हो जाता है। इसलिए लोग सक्रियता त्यागने का नाम वानप्रस्थ मान लेते हैं। इसमें संसार छोड़ना नहीं है। संसार पकड़ने का तरीका बदलना है। अपने वानप्रस्थ जीवन को बर्फ जैसा बना लें। बर्फ का भूतकाल भी जल है और भविष्य भी पानी है।

मणिपुर में क्यों ज्यादा खतरनाक है हिंसा का यह दौर

मणिपुर में सुरक्षा बलों की भारी संख्या के बावजूद स्थिति को सामान्य बनाना मुश्किल हो रहा है। मणिपुरी समाज बुरी तरह बंटा दिख रहा है। वहां के दो प्रमुख समुदाय, मैतेई और कुकी एक-दूसरे को जैसे देखने को तैयार नहीं। स्थिति यह है कि मैतेई बहुल इलाकों में रहने वाले कुकी घर-बार छोड़ कर चले गए हैं। यही हाल कुकी बहुल इलाकों में बसे मैतेई लोगों का है। ऐसे में यह सवाल तो है ही कि करीब-करीब गृहयुद्ध में बदल चुकी मणिपुर की हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है? शनिवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की एक स्वर से उठी मुख्यमंत्री बदलने की मांग के पीछे भी शायद इसी सवाल की भूमिका है। लेकिन इससे भी गंभीर यह आशंका है कि कहीं यह हिंसा समस्त पूर्वोत्तर को अशांति के एक नए चरण में न धकेल दे। इस आशंका के पीछे कई ठोस कारक हैं, लेकिन पहले मणिपुर की इस हिंसा की पृष्ठभूमि को समझते हैं।

क्यों बिगड़े हालात

-वैसे राज्य में हिंसा कोई नई बात नहीं है। यहां समुदायों के बीच संघर्ष का इतिहास पुराना है। 1949 में मणिपुर राज्य के भारत में विलय के साथ ही अलगाववादी प्रवृत्तियां उभरने लगी थीं। सत्तर के दशक में तो हालात इतने बिगड़ गए कि केंद्र सरकार को 1980 आते-आते आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट (अफ्सपा) लागू करना पड़ा।

-उग्रवादी गतिविधियों के लिए पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों की तरह मणिपुर की भौगोलिक परिस्थितियां भी काफी मददगार रही हैं। जंगल तथा पहाड़ियों के अलावा पड़ोसी म्यांमार के साथ एक खुली सीमा है। दोनों ओर एक ही जनजातियां हैं, जो आपस में सामाजिक-आर्थिक रूप से सदियों से बंधी हैं।

-संसाधनों की कमी और आधुनिक अर्थव्यवस्था के साथ चलने में असमर्थता के कारण यहां के कुछ समुदाय नशे की खेती और कारोबार में लग गए हैं। नशा, हथियार और उग्रवाद ने मिलकर एक ऐसा खतरनाक मिश्रण तैयार कर दिया है जिससे निपटना सरकार के लिए कठिन हो गया है।

लेकिन नशे का कारोबार और उग्रवाद उस गहरी बीमारी के लक्षण भर हैं जिससे पूर्वोत्तर के राज्य ग्रस्त हैं। असल में, यह कबीलाई अस्मिता, संस्कृति और पर्यावरण-संसाधन की रक्षा से जुड़ा सवाल है। स्थानीय कबीलों ने इनकी रक्षा के लिए ब्रिटिश उपनिवेशवाद से जमकर लोहा लिया था। दुर्भाग्य से, भारत सरकार ने उपनिवेशवादी नीतियों को पलटने में किसी कल्पनाशीलता का सहारा नहीं लिया और पुराने तरीके ही अमल में लाए। परंपरागत पंचायतें जरूर बहाल हुईं, जनजातीय परिषदों के जरिए उन्हें संसाधनों पर अधिकार और स्वायत्तता भी मिली, लेकिन भारतीय राष्ट्र में इन समूहों को बराबर का भागीदार बनाने का काम अधूरा रह गया।

स्थिति यह है कि मैतेई बहुल इलाकों में रहने वाले कुकी घर-बार छोड़ कर चले गए हैं। यही हाल कुकी बहुल इलाकों में बसे मैतेई लोगों का है। ऐसे में यह सवाल तो है ही कि करीब-करीब गृहयुद्ध में बदल चुकी मणिपुर की हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है? शनिवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की एक स्वर से उठी मुख्यमंत्री बदलने की मांग के पीछे भी शायद इसी सवाल की भूमिका है। लेकिन इससे भी गंभीर यह आशंका है कि कहीं यह हिंसा समस्त पूर्वोत्तर को अशांति के एक नए चरण में न धकेल दे। इस आशंका के पीछे कई ठोस कारक हैं, लेकिन पहले मणिपुर की इस हिंसा की पृष्ठभूमि को समझते हैं।

तीन मई की हिंसा हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद भड़की कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की अनुशंसा करे। कुकी सहित अन्य जनजातियों की ओर से विरोध शुरू हुआ। लेकिन यह जल्दी ही सांप्रदायिक दंगे में बदल गया। हिंसा में 200 से ज्यादा चर्च और 17 मंदिर जलाए गए हैं। इनमें मैतेई ईसाइयों के चर्च भी शामिल हैं।

यह समझना जरूरी है कि अब तक उग्रवाद का मुख्य निशाना सुरक्षा बल ही थे। पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठन तो राज्य पुलिस को भी निशाना नहीं बनाते थे क्योंकि इसके सिपाही स्थानीय होते हैं। धार्मिक विभाजन मणिपुरी समाज के लिए नई बात है। पिछले कुछ दशकों से जारी हिंदुत्ववादी संगठनों की कोशिशों ने मैतेई अस्मिता को काफी हद तक हिंदुत्व की पहचान दे दी है। कई बातें हैं जो इस नए विभाजन को विशेष खतरनाक बनाती हैं।

-राज्य की भौगोलिक बनावट से इस विभाजन को प्राकृतिक आधार भी मिल गया है।

-बहुसंख्यक मैतेई की आबादी 53 फीसदी है जो इंफाल घाटी में रहती है। इसमें अधिकांश हिंदू और परंपरागत धर्म को मानते हैं। कुछ ईसाई और मुसलमान भी हैं। राज्य में मुसलमानों की आबादी आठ फीसदी है।

-राज्य की दूसरी दो प्रमुख जनजातियां कुकी और नगा हैं जिनकी आबादी क्रमश: 16 और 24 प्रतिशत हैं। इसके अलावा जोमी जनजातियां हैं।

-ये सारी जनजातियां पहाड़ों में रहती हैं। इनका बड़ा हिस्सा ईसाई है।

-अगर धर्म को आधार बनाएं तो राज्य में हिंदू और ईसाइयों की आबादी 41-41 फीसदी है।

-राज्य की सिर्फ दस फीसदी जमीन घाटी में है। बाकी हिस्सा पहाड़ी है।

-मैतेई को जमीन खरीदने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार सिर्फ जनजातियों को है।

-मैतेई अनुसूचित जनजातियों की सूची में खुद को शामिल करने की मांग कर रहे हैं ताकि जमीन खरीदने के साथ उन्हें जनजातियों वाली दूसरी सुविधाएं मिलें।

कुछ और भी बातें हैं जो इस आशंका को मजबूती देती हैं कि मणिपुर की हिंसा पूरे पूर्वोत्तर को अपनी गिरफ्त में ले सकती है।

-कुकी और नगाओं के बीच पहले से भिड़ंत होती रही है। नगा अलगाववादी संगठन नैशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफनगालैंड के मुईवा गुट ने कुकी समुदाय को चेतावनी भी दी है कि वे नगा लोगों पर हमले न करें।

-नगा संगठन पहले से ही मणिपुर के नगा बहुल क्षेत्रों को ग्रेटर नगालैंड में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

-राज्य से मिजोरम तथा नगालैंड की ओर पलायन शुरू हो चुका है। मिजोरम ने पलायन करने वालों को अपने यहां शरण दी है।

एक जैसा नैरेटिव

धार्मिक संघर्ष की आग ईसाई आबादी वाले मेघालय, मिजोरम, नगालैंड को तो प्रभावित कर ही सकती है, असम तथा त्रिपुरा में पहले से चल रहे सांप्रदायिक और भाषाई संघर्ष को भी हवा दे सकती है। हिंदुत्व से प्रभावित मैतेई संगठन जिस तरह चर्च और ईसाई धर्मावलंबियों को अलगाववादी और म्यांमार से आया बता रहे हैं, वह नैरेटिव मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ असम में भी है। जाहिर है, मणिपुर में न केवल तत्काल शांति कायम करने की बल्कि आपसी सौहार्द और विश्वास बनाने के लिए भी नए सिरे से काम करने की जरूरत है।

असली परीक्षा आगे

विपक्षी दलों की पटना में हुई बहुप्रतीक्षित बैठक तत्काल कोई नतीजा देती हुई नहीं दिखी। बैठक के बाद मीडिया को बताने के लिए कोई भी बड़ा निष्कर्ष इन नेताओं के पास नहीं था। ले-देकर यही कह सके कि उनके बीच बातचीत और विचार-विमर्श का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। इस क्रम में अगली बैठक शिमला में करने की बात जरूर कही गई। यह बात भी ध्यान खींचने वाली कही जाएगी कि जो दल पटना की बैठक में शामिल हुए उनमें भी पूरी तरह एका नहीं बना रह सका। आम आदमी पार्टी के नेता बैठक में आने से पहले से कह रहे थे कि उनके लिए सबसे बडा मुद्दा है केंद्र सरकार के अध्यादेश का विरोध सुनिश्चित करना। इन दलों में कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी थी जिसने अध्यादेश पर अपना रुख साफ नहीं किया था।

आम आदमी पार्टी के जोर देने के बावजूद वह इस पर कमिटमेंट देने को तैयार नहीं हुई। नतीजा यह कि बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में भी आप के नेता शामिल नहीं हुए और उन्होंने यह भी कह दिया कि आगे वे ऐसी किसी बैठक में शामिल नहीं होंगे जिसमें कांग्रेस

की मौजूदगी हो। देखा जाए तो यह विपक्षी दलों की एकजुटता की प्रक्रिया को एक तगड़ा झटका है। लेकिन इन सबके बावजूद इस प्रक्रिया की अहमियत को कम करने आंकना सही नहीं होगा। इसे सही ढंग से समझने के लिए जरूरी है कि छह महीने या साल भर पहले की इन दलों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस पर विचार किया जाए।

उस वक्त जो विपक्षी एकजुटता के प्रयास किए जा रहे थे, उसके केंद्र में तीसरा मोर्चा बनाने की बात थी। उन दलों में कई कांग्रेस को साथ लेने के प्रबल विरोधी थे। ऐसे में कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी एकता के प्रयास शुरू होने की बात सोची भी नहीं जा सकती थी। संभवत: इसीलिए नीतीश कुमार को इसका जिम्मा सौंपा गया और उसके अच्छे नतीजे भी दिखने लगे। हालांकि उसके बाद भी यह स्थिति थी कि पहली बैठक कांग्रेस की मेजबानी में बुलाई हुई न लगे, इसीलिए नीतीश कुमार को पटना में अपने घर पर यह बैठक रखने के लिए कहा गया।

ऐसे में अगली बैठक कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश में करने पर आम सहमति बन जाना कम बड़ी बात नहीं है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आप को छोड़ दें तो किसी भी दूसरी पार्टी ने किसी भी विवादित मसले पर कोई ऐसी बात नहीं कही जिससे वार्ता प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा आने का अंदेशा हो। हालांकि ऐसे विवादित बिंदुओं की कमी नहीं है, और वे उठेंगे ही इस प्रक्रिया में। असल सवाल यही है कि जब वे उठेंगे तब उन्हें हल करने में कितनी समझदारी और कितनी कुशलता दिखाई जाती है। इसी पर निर्भर करेगा 2024 के चुनावी समर के लिए तैयार किए जा रहे इस साझा मोर्चे का भविष्य।

बाजबॉल पर बवाल

क्रिकेट सर्किल में इन दिनों 'बाजबॉल' सुर्खियों में है। इसे लेकर इंग्लिश क्रिकेट दो धड़ों में बंटा हुआ है। यॉर्कशर परंपरा वाले ठेठ इंग्लिश क्रिकेटर ज्यॉफ्री बॉयकॉट नाम को सुनकर उबल रहे हैं, जबकि उनकी अपनी काउंटी के मॉडर्न ग्रेट जो रूट इस नई शैली को आत्मसात कर चुके हैं। कुछ दशक पहले तक पांच दिनी फॉर्मेट में किसी स्पेशलिस्ट बैटर के हवा में शॉट खेलने को कम से कम इंग्लिश क्रिकेट में 'अपराध' माना जाता था। आप अग्रेसिव हो सकते थे, मगर क्रिकेट के 'ग्रामर' के साथ छेड़छाड़ की हिम्मत नहीं जुटा सकते थे। अब वर्जनाएं तोड़ी जा रही हैं। इंग्लैंड के ही पूर्व कप्तान रूट टेस्ट मैच के सुबह के सेशन के दूसरे ही ओवर में रिवर्स स्कूप से सिक्स उड़ा रहे हैं। इंग्लैंड की टीम टेस्ट खेलने की अपनी नई थिअरी से प्रति ओवर चार से पांच रन बटोर रही है।

बात सिर्फ बैटिंग तक सीमित नहीं है। फैसले लेने और फील्डिंग सजाने की पारंपरिक सोच में भी बदलाव आया है। हालिया खत्म हुए एजबेस्टन टेस्ट मैच की पहली

पारी में ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा इंग्लैंड के किसी भी बोलर के झांसे में नहीं आ रहे थे। सेंचुरी बनाने के बाद वह क्रीज पर इतने आश्वस्त थे, जैसे आज दुनिया का कोई भी बोलर आ जाए उनके डिफेंस को भेद नहीं सकता। ऑफ स्टंप के बाहर ख्वाजा को फंसाने में नाकाम रही इंग्लिश टीम ने फिर एक नई स्ट्रैटिजी बनाई। उनके कप्तान बेन स्टोक्स ने ओली रॉबिन्सन को बॉल थमाई और एक ऐसी फील्ड सजा दी, जो सबके लिए कौतूहल का विषय बन गई। अम्ब्रेला-स्लिप फील्डिंग तो क्रिकेट के इतिहास में देखी गई थी लेकिन, स्टोक्स ने इस बार 'फ्रंट-ऑफ-द-विकेट अम्ब्रेला' फील्ड सजा दी। ख्वाजा अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

टेस्ट क्रिकेट के साथ बिल्कुल नए आयाम जोड़ने वाले बाजबॉल को भी कुछ इंग्लिश फैंस 'विलेन' मान रहे हैं। उसकी बड़ी वजह है इंग्लैंड टीम का वह फैसला जो उसने एजबेस्टन टेस्ट मैच के पहले दिन लिया था। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने पांच रन प्रति ओवर से अधिक जोड़ते हुए 78 ओवर्स में आठ विकेट पर 393 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी। पहली पारी की बढ़त की लड़ाई भी मामूली अंतर से इंग्लैंड के पक्ष में गई। मगर आखिर में परिणाम उसके हक में नहीं आया।

एशेज सीरीज की पहली बाजी गंवाने के बावजूद इंग्लिश टीम ने दोहराया है कि वह खेलने का अपना तरीका नहीं बदलेगी। कोच ब्रेंडन मैकुलम (इनके निकनेम बाज से ही बना है बाजबॉल) की देखरेख में और बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लिश टेस्ट टीम को बाजबॉल में उम्मीद ही उम्मीद दिख रही है। अपने समय में टेस्ट क्रिकेट को भी टी-20 के अंदाज में खेलने वाले 'बाज' मैकुलम को अपने नए फॉर्म्युले में ही पांच दिनी फॉर्मेट का भविष्य दिखाई देता है। इस एक हार से उनका अपने उस फॉर्म्युले से डिगना बनता भी नहीं जिसने उन्हें 14 में से 11 मैच जिताए हैं। हो सकता है, कल को हर देश टेस्ट क्रिकेट में बाजबॉल का दोनों हाथों से स्वागत करें।

दैनिक पंचांग

28 जून 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.42 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.59 बजे से
मंगल	कर्क में	कन्या	11.10 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.21 बजे से
गुरु	मेष में	वृश्चिक	15.36 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.52 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.57 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.43 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.16 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	00.47 बजे से
		वृष	02.27 बजे से
		मिथुन	04.25 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 179 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 03.19 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 16.01 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 06.08 बजे तदनन्तर शिव 05.15 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** तैतिल 15.19 बजे तदनन्तर गर 03.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871658 **जूलियन दिन** 2460123.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 09 **विशेष** आशा दशमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 28 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

प्रसंगत: मित्रता

उषा ने पति अनिल से कहा, कितनी देर तक समाचार पत्र पढ़ते रहोगे? यहाँ आओ और अपनी प्यारी बेटी को खाना खिलाओ। अनिल ने समाचार पत्र एक तरफ़ फेका और ईशा की ओर ध्यान दिया। बेटी की आंखों में आँसू थे और सामने खाने की प्लेट। ईशा एक अच्छी लड़की है और अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा समझदार। अनिल ने खाने की प्ल

वैग्नर का विद्रोह खत्म होने के बावजूद रूस के लिए आसान नहीं आगे की राह

मॉस्को/एपी

रूस के खिलाफ बगावत करने वाले निजी सैन्य समूह वैग्नर' ने भले ही अपना विद्रोह खत्म कर दिया हो, लेकिन इसने रूस की कमजोरियों को जगजाहिर कर दिया है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में दो दशक से अधिक के कार्यकाल को सबसे बड़ी चुनौती देते हुए वैग्नर ग्रुप' के प्रमुख येवगेनी प्रीगोझिन ने गत सप्ताहांत अपने लड़ाकों को मॉस्को की तरफ कूच करने का आदेश दिया था। हालांकि प्रीगोझिन ने अचानक क्रेमलिन के साथ समझौता कर पीछे हटने और बेलारूस जाने की घोषणा कर दी थी। प्रीगोझिन को बेलारूस में निर्वासन में रहना होगा। यह एक ऐसा देश है जहां बागी तेवर उनके अपने वतन (रूस) से भी ज्यादा अस्वीकार्य हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने यह समझौता कराया है और उन्होंने ही इस संबंध में मामूली जानकारी दी। पुतिन तथा प्रीगोझिन या रूस के शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सप्ताहांत की घटनाओं को असाधारण'' करार दिया और कहा कि 16 महीने पहले पुतिन यूक्रेन की राजधानी पर कब्जा करने को तैयार थे और अब उन्हें उस व्यक्ति के नेतृत्व वाली सेनाओं से मॉस्को की रक्षा करनी पड़ रही है।

शुभारंभ

हैदराबाद में सोमवार को अभिनेत्री गीतिका, वर्षा, कुशिता कल्लपु एचआईआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी में हिललाइफ प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ पर।

सोना गायब होने की खबर के बीच नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर में 'जलहरी' का वजन किया गया

काठमांडू/भाषा

नव स्थापित आभूषण के निर्माण में अनियमितताओं के बढ़ते दावों के बीच नेपाल के शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने पशुपतिनाथ मंदिर के भीतर 'जलहरी' में गायब सोने की जांच शुरू कर दी है। मीडिया में आई एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई। जलहरी वह नींव है जिस पर शिवलिंग स्थापित किया जाता है। काठमांडू के सबसे पुराने हिंदू मंदिर पशुपतिनाथ मंदिर के आंतरिक गर्भगृह में यह है।

जलहरी से 10 किलोग्राम सोना गायब होने की रिपोर्ट की जांच करने के लिए सरकार द्वारा अधिकार का दुरूपयोग की जांच करने वाले आयोग' (सीआईएए) को निर्देश दिए जाने के बाद रविवार को मंदिर भक्तों के लिए बंद कर दिया गया था।

सीआईएए की एक विशेष टीम ने सफलतापूर्वक सोने का वजन किया। तौल प्रक्रिया रविवार शाम छह बजे शुरू हुई और सोमवार तड़के दो बजे समाप्त हुई।

माई रिपब्लिका' वेबसाइट ने एक आधिकारिक सूत्र को उद्धृत करते हुए कहा, जलहरी को तौलने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, और जलहरी की खंडित संरचना को ध्यान में रखते हुए, हम वर्तमान में इसका कुल वजन निर्धारित करने के लिए अंतिम मूल्यांकन कर रहे हैं।

सूत्र ने जहां संकेत दिया कि प्रारंभिक माप से जलहरी के वजन में कमी का पता चला है लेकिन वजन में कमी की सटीक सीमा की पुष्टि नहीं की गई है। खबर में सूत्र के हवाले से कहा गया है, अंतिम मूल्यांकन पूरा होने के बाद ही हम आगे की जानकारी दे सकते हैं।

खबर में कहा गया कि मरम्मत के बाद जलहरी को पशुपतिनाथ मंदिर में फिर से स्थापित किया जाएगा। सीआईएए की जांच जलहरी के आसपास अनियमितताओं को लेकर की गई एक शिकायत के बाद हुई।

पशुपति क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने दावा किया कि उसने जलहरी बनाने के लिए 103 किलोग्राम सोना खरीदा था लेकिन आभूषण से 10 किलोग्राम सोना गायब था।

जांच प्रक्रिया के लिए पशुपति मंदिर परिसर में नेपाल सेना के जवानों सहित कई सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था।

मोदी की अमेरिका और मिस्र की यात्रा भारत की कूटनीति में महत्वपूर्ण मील का पत्थर : वैष्णव

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका और मिस्र की यात्रा को भारत की कूटनीति में महत्वपूर्ण मील का पत्थर' बताते हुए सोमवार को कहा कि दोनों देशों में उनका जो भव्य स्वागत किया गया, वह देश को भू-राजनीति में नई ऊंचाई' पर ले जाने के उनके प्रयासों को मान्यता देता है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आर्थिक महाशक्ति और विश्व व्यवस्था में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले अमेरिका ने भारत को बराबर के साझेदार के रूप में स्वीकार किया है और ऐसे समझौते किए हैं जिसके तहत दोनों देश मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका और मिस्र की अपनी छह दिवसीय राजकीय यात्रा के बाद रविवार रात भारत लौट आए। मोदी की अमेरिका यात्रा में रक्षा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख सौदे किए गए।मिस्र में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के साथ बातचीत की और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा संबंधों और लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी'' तक बढ़ाया।

मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी को मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल' पुरस्कार से भी सम्मानित किया। वैष्णव ने कहा, जिस तरह से हमारे प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया, उनके कार्यक्रम आयोजित किए गए और द्विपक्षीय निर्णय लिए गए... यह सब उन प्रयासों को मान्यता देना था जो प्रधानमंत्री ने अपने नौ साल के कार्यकाल में भारत को भू-राजनीति में नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए किए हैं। उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।''रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की अमेरिका और मिस्र की यात्रा के दौरान भारत की वैश्विक स्थिति' में बड़ा बदलाव' देखा गया। उन्होंने कहा, न केवल अमेरिका में बल्कि यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया, हर जगह प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा की चर्चा हो रही है। लोग इस यात्रा को मील का पत्थर मान रहे हैं।'' वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वतंत्र विदेश नीति' और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी सरकार के राष्ट्र प्रथम' की भावना के कारण भारत ने आज दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ वर्षों में एक स्वतंत्र विदेश नीति रखी है, जिसमें राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च महत्व दिया गया है। सभी फैसले राष्ट्रीय हित में लिए जाते हैं।'' वैष्णव ने कहा, चाहे वह इस्लामिक देश हो या कोई अन्य देश, सभी देश आज भारत और मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरीके से इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को आगे बढ़ाया है और जिस तरह के कदम उठाए हैं उससे प्रौद्योगिकी में देश का दुनिया में एक स्थान बना है।

'भारत, अमेरिका की दोस्ती दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण'

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि अमेरिका और भारत की दोस्ती दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण'' है और द्विपक्षीय संबंध पहले से कहीं अधिक जीवंत हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत के अपनी रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी को और बढ़ाने के लिए कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद बाइडन ने यह बयान दिया। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर 21 से 24 जून तक अमेरिका की राजकीय यात्रा पर थे। यात्रा में उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन के साथ कई मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। वह दो बार कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले पहले भारतीय नेता हैं। बाइडन दंपति ने उनके लिए राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी की, जिसमें प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रमुखों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ), उद्यमियों और अधिकारियों सहित करीब 500 लोगों ने शिरकत की थी।

बाइडन ने रविवार को ट्वीट किया, अमेरिका और भारत के बीच की दोस्ती दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। यह पहले से कहीं अधिक मजबूत, गहरी और जीवंत है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बाइडन के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, राष्ट्रपति जो बाइडन, मैं आपकी बात से पूरी तरह से सहमत हूं। हमारे देशों की दोस्ती वैश्वक हित में है। इससे हमारी धरती और बेहतर तथा अधिक टिकाऊ बनेगी।''

उन्होंने कहा, मेरी हाल की यात्रा में जिन मुद्दों पर चर्चा की गई है, उससे हमारे संबंध और मजबूत होंगे।'' व्हाइट हाउस ने अपने साप्ताहिक ईमेल में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय यात्रा ने अमेरिका और भारत के बीच गहरी तथा करीबी साझेदारी की पुष्टि की। इसमें स्वतंत्र, मुक्त, समृद्ध और सुरक्षित हिंद-प्रशांत की साझा प्रतिबद्धता को दोहराया गया और रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा तथा अंतरिक्ष सहित उनकी रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी को बढ़ाने के साझा प्रयासों पर भी चर्चा की गई।

'गदर 2' बनाने के लिए अनिल शर्मा ने 50 से अधिक कहानियों को किया रिजेक्ट

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड फिल्मकार अनिल शर्मा ने अपनी सुपरहिट फिल्म गदर: एक प्रेम कथा' का सीक्वल बनाने के लिये 50 से अधिक कहानियों को रिजेक्ट किया। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी। 22 सालो के बाद गदर की सीक्वल 'गदर 2' रिलीज होने जा रही है। अनिल शर्मा ने बताया है कि गदर 2 को बनाने में उन्हें 22 साल कैसे लग गये। अनिल शर्मा ने बताया है कि 'गदर 2' के लिए उनके पास कई कहानियां आईं लेकिन इनमें से कोई भी ऐसी कहानी नहीं थी जो पहली वाली 'गदर' से मिल पाए। यही वजह थी उन्होंने फिल्म की 50 से अधिक कहानियों को रिजेक्ट किया। 'गदर 2:11 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में सनी देओल के साथ अमीषा , उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा नजर आएंगे।

'द केरल स्टोरी' के निर्माताओं ने आगामी फिल्म 'बस्तर' की घोषणा की

मुंबई/भाषा

'द केरल स्टोरी' के निर्देशक सुदीप्तो सेन और निर्माता विपुल शाह की जोड़ी ने सोमवार को अपनी अगली फिल्म 'बस्तर' की घोषणा की। निर्माताओं के अनुसार, 'बस्तर' सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी और बड़े पर्दे पर पांच अप्रैल, 2024 को रिलीज होगी। शाह के सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनने वाली आगामी फिल्म की घोषणा कंपनी के ट्विटर पेज पर की गई।

कंपनी ने ट्वीट में लिखा, 'अपनी आगामी फिल्म 'बस्तर' को पेश कर रहे हैं। एक और दिलचस्प सच्ची घटना को देखने के लिए तैयार हो जाइये, जो आपको स्तब्ध कर देगी। कैलेंडर में पांच अप्रैल, 2024 की तारीख को चिन्हित कर लीजिए।' 'द केरल स्टोरी' में दर्शाया गया था कि कैसे केरल की महिलाओं को आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने धर्म

परिवर्तन के लिए मजबूर किया और संगठन में भर्ती कराया। राजनीतिक वर्गों में इसके समर्थन और विरोध में अनेक रुख सामने आये।

यह फिल्म, 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई के साथ 2023 की सबसे सफल फिल्मों में से एक के रूप में उभरी जिसे पश्चिम बंगाल सरकार ने समुदायों के बीच तनाव के डर से प्रतिबंधित कर दिया था।

तमिलनाडु के सिनेमाघरों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और दर्शकों की कम उपस्थिति का हवाला देते हुए फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने का फैसला किया था। फिल्म को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा समेत भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में कर मुक्त कर दिया गया था। 'द केरल स्टोरी' में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सोनिया बालानी और सिद्धि इदनानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'सत्य प्रेम की कथा' का गाना 'पसूरी नू' रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत कार्तिक आर्यन और अभिनेत्री कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का गाना 'पसूरी नू 'रिलीज हो गया है। 'पसूरी नू' गाने में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की केमिस्ट्री नजर आ रही है। इस गाने को अरिजीत सिंह और तुलसी कुमार ने गाया हैं। वहीं इसका म्यूजिक रोचक कोहली और अली सेठी ने दिया हैं। गाने के बोल गुरप्रीत सैनी और अली सेठी के हैं। 'सत्यप्रेम की कथा' को समीर विद्वंस ने निर्देशित किया है। फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में कियारा एक बार फिर 'भूल भुलैया 2' को-स्टार कार्तिक आर्यन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वागत

सोलापुर के लोगों ने सोमवार को सोलापुर पहुंचने पर बीआरएस सुप्रीमो और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का स्वागत किया।

बिलबोर्ड पर अपनी तस्वीर देखकर भावुक हुई अवनीत कौर, याद किया अपने संघर्षों को

मुंबई/एजेन्सी

अवनीत कौर अभी सिर्फ 21 साल की हैं, फिर भी वह एक अभिनेत्री के रूप में अपनी काबिलियत साबित कर चुकी हैं। उन्होंने एक डांस रियलिटी शो में एक प्रतियोगी के रूप में शुरुआत की और कई टीवी शो में काम किया। अवनीत अब एक लोकप्रिय सोशल मीडिया सनसनी हैं। और तो और, उन्होंने नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी के साथ टीकू वेड्स शेरू नाम की एक फिल्म में भी अभिनय किया। अभिनेत्री ने अपने संघर्षों पर एक नोट लिखने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उसे याद आया कि कैसे उसके माता-पिता ने उसके लिए लंबी दूरी तय की थी, कैसे कभी-कभी उनके सिर पर छत नहीं होती थी और उन्हें कई घर बदलने पड़ते थे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर कंगना रनौत निर्मित फिल्म टीकू वेड्स शेरू में सह-कलाकार हैं। यह जोड़ी तुरंत ही शहर में चर्चा का विषय बन गई थी।

इस बीच, हाल ही में अवनीत की नजर फिल्म के कुछ होर्डिंग पर पड़ी और वह अपनी उत्तेजना को नियंत्रित नहीं कर सकीं। बैकड्रॉप पर होर्डिंग के साथ पोज देते हुए अपनी खुशनुमा तस्वीरें साझा करते हुए, अवनीत ने लिखा, 12 साल पहले, मैं एक डांस रियलिटी शो (एसआईसी) के लिए एक प्रतियोगी के रूप में सपनों के इस शहर में आई थी, जिसे अब मैं अपना घर मुंबई कहती हूं। अपने संघर्षों को याद करते हुए अवनीत ने आगे लिखा, हमारे पास छत नहीं थी, जब भी मौका मिला हमने कई घर बदले। मेरे माता-पिता ने मेरे लिए लंबी दूरी तय की। हमने सिर्फ एक घर पाने के लिए बसों, ट्रेनों, स्कूटरों में घंटों यात्रा की। ऑडिशन हो गया। और इतने सालों के बाद आखिरकार खुद को एक होर्डिंग पर देखना एक सपने के अलावा और कुछ नहीं लगता। आखिरकार मैं हीरोइन बन गई।

टीकू वेड्स शेरू एक व्यंग्यात्मक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो कंगना रनौत द्वारा निर्मित है, और मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले साईं कबीर द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का प्रीमियर 23 जून, 2023 को प्राइम वीडियो पर हुआ। यह फिल्म दो किरदारों के बारे में है जो बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाना चाहते हैं। टीकू शादी को एक स्थानीय शहर से मुंबई भागने के रूप में देखती है। वह एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। इस बीच, शेरू वर्षों से शहर में जूनियर आर्टिस्ट के रूप में काम कर रहा है। उनकी शादी हो जाती है और कहानी शुरू होती है। कंगना रनौत ने टीकू वेड्स शेरू को सपनों के शहर मुंबई के लिए एक हार्दिक गीत बताया था।

'भोला शंकर' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार चिरंजीवी को उनके पुराने स्टाइलिश मास अवतार में देखना हमेशा एक आकर्षक अनुभव होता है। निर्देशक मेहर रमेश भोला शंकर में चिरंजीवी को एक पावर-पैक भूमिका में पेश कर रहे हैं, जो मेगास्टार के साथ उनकी पहली फिल्म है। फिल्म का जन-आकर्षक टीज़र आज लॉन्च किया गया है। टीज़र की शुरुआत एक वॉयसओवर से होती है जिसमें कहा जाता है कि एक व्यक्ति ने 33 लोगों को बेरहमी से मार डाला है और कोलकाता पुलिस हत्यारे की तलाश कर रही है। टीज़र चिरंजीवी के एक्शन से भरपूर अवतार को दिखाने के लिए आगे बढ़ता है क्योंकि वह अपना स्वैग दिखाते हैं और गुंडों को उनकी मांद में मारने के लिए तैयार हो जाते हैं। टीज़र में कीर्ति सुरेश, तमन्ना भाटिया और सुशांत जैसे अभिनेताओं द्वारा निभाए गए अन्य पात्रों का भी परिचय दिया गया है।

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने टीज़र के बारे में कहा, मेहर रमेश इस अवसर का पूरा उपयोग करना चाहते थे और चिरंजीवी को एक पुराने सामूहिक अवतार में दिखाना चाहते थे। वह फिल्म में प्रभावशाली संवाद और शक्तिशाली एक्शन दृश्यों को जोड़कर चिरंजीवी को एक मजबूत स्क्रीन उपस्थिति देना चाहते थे। चिरंजीवी के चरित्र को सही ऊंचाई देने के लिए थीम गीत जोड़ा गया था। कुल मिलाकर, वह एक ऐसा टीज़र बनाने के इच्छुक थे जो उत्साह बढ़ा दे।'' बाकी कलाकारों की बात करें तो फिल्म में रघु बाबू, मुरली शर्मा, रविशंकर, वेनेला किशोर, तुलसी, सुरेका वाणी, श्री मुखी, हाइपर आदि, विवा हर्ष, प्रदीप, अनी, बिथिरी साथी, सत्या, वेणु टिल्लू, थगुबोटु रमेश, रश्मी गौतम, उत्तेज, वीर, शाहवर अली और तरुण अरोड़ा गेटअप श्रीनु भी हैं।

तकनीकी दल के बारे में बात करते हुए, डुडले ने सिनेमैटोग्राफी की है जबकि महती स्वरा सागर ने बैकग्राउंड स्कोर तैयार किया है। मार्तंड के वेंकटेश संपादक हैं, जबकि एएस प्रकाश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। सत्यानंद की कहानी और तिरुपति ममीडाला के संवादों के साथ, फिल्म में कार्यकारी निर्माता के रूप में किशोर गैरीकिपति हैं। रामब्रह्मम सुनकारा और अनिल सुनकारा की एके एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित, भोला शंकर का काम पूरा होने वाला है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस से पहले 11 अगस्त को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है।